संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 04
पृष्ठ 8
गुरुवार
19 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- डिजिटल युग में बच्चों ...

विचार- देश की बुनियाद पर प्रहार...

खेल- विराट कोहली-गंभीर के बीच का...

'वन नेशन वन इलेक्शन' के प्रस्ताव को मंजूरी

देश में एक देश एक चुनाव को आज मोदी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई। वन नेशन वन इलेक्शन के लिए एक कमेटी बनाई गई थी जिसके चेयरमैन पूर्व राष्ट्रपति राममानथ कोविंद थे। कोविंद ने अपनी रिपोर्ट इसपर आज मोदी कैबिनेट को दी जिसके बाद उसे सर्वसम्मति से मंजूर कर दिया गया। हालांकि इसके बाद आगे का सफर आसान नही होने वाला है। इसके लिए संविधान संशोधन और राज्यों की मंजूरी भी जरूरी है, जिसके बाद ही इसे लागू किया जाएगा। वन नेशन वन इलेक्शन यानी एक देश एक चुनाव को मोदी कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हाई लेवल कमेटी की सिफारिशों को मंजूर कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि 1951 से 1967 तक देश में एक साथ ही चुनाव होते थे। हम अगले महीनों में इसपर आम सहमति बनाने की कोशिश करेंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आगे कहा कि 'एक देश एक चुनाव' पर समिति ने 191 दिन तक काम किया और 21,558 लोगों से राय ली। 80: लोगों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया, जिसमें 47 में से 32 राजनीतिक दल भी शामिल हैं। समिति ने पूर्व मुख्य न्यायाधीशों, हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों, चुनाव आयुक्तों और राज्य चुनाव आयुक्तों से भी बात की। वैष्णव ने बताया कि 'एक देश एक चुनाव' दो चरणों में लागू होगा। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होंगे। दूसरे चरण में स्थानीय निकाय चुनाव (पंचायत और नगरपालिका) होंगे। एक देश एक चुनाव पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की रिपोर्ट को आज नरेंद्र मोदी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। माना जा रहा है कि अब केंद्र सरकार इसे शीतकालीन सत्र में संसद में लाएगी। हालांकि, ये संविधान संशोधन वाला बिल है और इसके लिए राज्यों की सहमति भी जरूरी है। 2024 के आम चुनाव में बीजेपी ने वन नेशन वन इलेक्शन का वादा किया था। मार्च में, राम नाथ कोविंद के नेतृत्व में पैनल ने अपनी 18,626 पेज वाली रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। कैबिनेट की ओर से हां के संकेत एक दिन पहले ही मिल गए थे, जब गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' मोदी सरकार 3.0 के कार्यकाल के दौरान अगले पांच वर्षों के भीतर लागू किया जाएगा। शाह ने कहा था कि सरकार इस कार्यकाल के भीतर एक राष्ट्र एक चुनाव लागू करने की योजना बना रही है। पिछले महीने ऐतिहासिक तीसरी बार शपथ लेने के बाद अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का जिक्र किया था। उन्होंने जोर देकर कहा था कि लगातार चुनाव देश के विकास को धीमा कर रहे थे। बीजेपी सहयोगी, जेडीयू और एलजेपी ने भी औपचारिक रूप से इस कदम का समर्थन किया है, वहीं विपक्षी दलों ने विरोध किया है। जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि जेडीयू एनडीए की एक राष्ट्र–एक चुनाव योजना का पूरा समर्थन करता है। ऐसा करने से देश को न केवल लगातार चुनावों से छुटकारा मिलेगा, बल्कि केंद्र स्थिर नीतियों और साक्ष्य–आधारित सुधारों पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। सरल शब्दों में कहें, तो इसका मतलब है कि एक ही समय या एक ही वर्ष में केंद्र और राज्य के प्रतिनिधियों को चुनने के लिए सभी भारतीय लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मतदान करेंगे।

● शीतकालीन सत्र में बिल लेकर आएगी सरकार
● पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 'एक देश एक चुनाव' पर अपनी रिपोर्ट सौंपी।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का कांग्रेस ने किया विरोध, खड़गे बोले-

यह चुनावी हथकंडा, जनता स्वीकार नहीं करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रस्ताव का विरोध करते हुए इसे अव्यावहारिक बताया। उन्होंने एक साथ चुनाव के प्रस्ताव को मंजूरी को चुनाव से पहले एक चुनावी हथकंडा करार देते हुए कहा, 'जब चुनाव आते हैं, तो वे (भारतीय जनता पार्टी) ये सब बातें कहते हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता भी इसे स्वीकार नहीं करेगी। उनकी यह टिप्पणी केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दिये जाने के बाद आयी है। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाले एक पैनल ने लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले मार्च में रिपोर्ट सौंपी थी। खड़गे ने कहा कि हम इसके साथ नहीं खड़े हैं। लोकतंत्र में एक देश एक चुनाव नहीं चल सकता। यदि हम चाहते हैं कि हमारा लोकतंत्र जीवित रहे तो आवश्यकता पड़ने पर चुनाव कराने होंगे। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि इस देश में यह बिल्कुल भी व्यावहारिक नहीं है। वे मौजूदा मुद्दों से ध्यान भटकाना चाहते हैं। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि एक देश, एक चुनाव नहीं हो सकता, कानून में संशोधन करना होगा और उनके पास कानून में संशोधन के लिए पर्याप्त बहुमत नहीं है। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि वे अपनी नाकामियों से ध्यान भटकाने के लिए ऐसा करते हैं। महिला आरक्षण बिल तो पास हो गया, लेकिन क्या इसे लागू किया गया? इसी तरह एक राष्ट्र, एक चुनाव का प्रचार–प्रसार चल रहा है। मंत्रिमंडल के समक्ष रिपोर्ट पेश करना विधि मंत्रालय के 100 दिन के एजेंडे का हिस्सा है। उच्च स्तरीय समिति ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की थी, जिसके बाद 100 दिन के भीतर एक साथ स्थानीय निकाय चुनाव कराने की सिफारिश की गयी।

करोल बाग में इमारत गिरने का हादसा दुखद : आतिशी

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली की नामित मुख्यमंत्री आतिशी ने करोल बाग इलाक़े में मकान गिरने की घटना को दुखद करार देते पीड़ितों की हर संभव मदद मुहैया कराने का आदेश दिया है। सुश्री आतिशी ने एक्स पर कहा "करोल बाग इलाक़े में मकान गिरने का ये हादसा बेहद दुखद है। मैंने ज़िलाधिकारी को आदेश दिए हैं कि वहां रहने वाले लोगों और पीड़ितों की हर संभव मदद करें, कोई घायल है तो उसका इलाज कराएँ और इस हादसे के कारणों का पता लगाएँ। हादसे को लेकर निगम मेयर से भी बात हुई हैं।" उन्होंने कहा "इस साल बहुत बारिश हुई है, सभी दिल्लीवासियों से मेरी अपील है कि निर्माण से जुड़े किसी भी हादसे की कोई भी आशंका हो तो तुरंत प्रशासन और निगम को बताएँ, सरकार तुरंत आपकी मदद करेगी।" उल्लेखनीय है कि करोल बाग इलाके में एक इमारत का कुछ हिस्सा ढह गया और मलबे में कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है।

कोलकाता में डॉक्टरों ने जारी रखी हड़ताल

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में सरकारी अस्पतालों के आंदोलनरत जूनियर डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बातचीत के लिए एक और दौर की मांग करते हुए बुधवार को भी अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रखी। डॉ अनिकेत महतो ने संवाददाताओं से कहा कि वे राज्य के मुख्य सचिव को ईमेल करेंगे और मुख्यमंत्री से एक और दौर की बातचीत की मांग करेंगे। स्वास्थ्य सचिव को दंड देने की कार्रवाई की मांग को लेकर राज्य स्वास्थ्य सचिवालय के बाहर नौवें दिन भी धरना दे रहे एक जूनियर डॉक्टर ने कहा, "हमने अपनी कुछ अधूरी मांगों और अस्पतालों में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री से और बातचीत का अनुरोध किया है जहां धमकी की संस्कृति ने माहौल को खराब कर दिया है।" उच्चतम न्यायालय और सुश्री बनर्जी ने बार–बार डॉक्टरों से हड़ताल खत्म करने का आग्रह किया है। डाक्टरों की हड़ताल से पिछले 41 दिनों से सरकारी अस्पतालों के आउटडोर (बाह्य) रोगी विभागों में मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट के तत्वावधान में मंगलवार रात डॉक्टरों ने एक आम सभा की और गत नौ अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में कथित तौर पर स्नातकोत्तर प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और उसकी हत्या करने पर न्याय दिलाने, स्वास्थ्य सचिव नारायण स्वरूप निगम को हटाने और सरकारी अस्पतालों में सुरक्षित कार्य संस्कृति बनाने की मांग को लेकर अपना आंदोलन जारी रखने का फैसला किया। मंगलवार को मनोज कुमार वर्मा के कार्यभार संभालने के साथ ही कोलकाता पुलिस प्रमुख को बदलने की हडताली डॉक्टरों की मुख्य मांग को पूरा कर दिया गया है, लेकिन प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की उनकी मांग पर कोई कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई। गत 16 सितंबर को डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री के साथ उनके कालीघाट स्थित आवास पर बैठक की जो पांच घंटे से अधिक समय तक चली। इससे पहले ऐसी दो बैठकें बिना किसी नतीजे के विफल रही। उल्लेखनीय है कि सरकारी अस्पतालों में काम बंद करने की शुरुआत गत नौ अगस्त को हुई थी जब 31 वर्षीय द्वितीय वर्ष की स्नातकोत्तर महिला डॉक्टर की आरजी कर मेडिकल और अस्पताल में दुष्कर्म और उसकी हत्या कर दी गई थी। इसके अलावा 14 अगस्त की रात को अस्पताल में तोड़फोड़ भी की गई तथा चिकित्सा उपकरण, दवाइयां और सीसीटीवी कैमरे नष्ट कर दिए गए।

दो लड़कों की जोड़ी लूटने के लिए निकली

सीएम योगी ने अखिलेश और राहुल गांधी पर कसा तंज

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद में युवाओं को नियुक्ति पत्र और 6 हजार छात्रों को टैबलेट बांटा। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार का टारगेट रोजगार देना है इस लक्ष्य पर काम कर रही है। इस दौरान उन्होंने अखिलेश यादव पर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले गाजियाबाद की हालत खराब थी। सीएम ने कहा कि प्रदेश छठवीं अर्थव्यवस्था पर था लेकिन आज उत्तर प्रदेश दूसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा हुआ है। 2029–2030 तक उत्तर पहले नम्बर की अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो जागए। उत्तर प्रदेश की सरकार हर बेटी और व्यापारी की सुरक्षा के विजन पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारे सिर्फ लूटने का काम कर रही थी, उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति परिवार तक सीमित हो जाता है, तब वह देश के बारे में, समाज के बारे में नहीं सोच सकता है। समाजवादी पार्टी ने सत्ता का दुरुपयोग किया। दो लड़कों की जोड़ी उत्तर प्रदेश को लूटने के लिए निकली। समाजवादी पार्टी में औरंगजेब की आत्मा आ गई है। समाजवादी पार्टी की सरकार में इतनी अराजकता थी कि कैराना में हिंदुओं को पलायन करना पड़ा। आदित्यनाथ ने कहा, हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि सुरक्षा एक समृद्ध भविष्य की नींव है। हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि त्योहार और कार्यक्रम सुरक्षित रूप से मनाए जाएं। उन्होंने पिछली सरकारों की आलोचना करते हुए उन पर केवल अपने लाभ पर ध्यान केंद्रित करने और अनैतिक प्रथाओं में लिप्त होने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों की भ्रष्ट गतिविधियोंश के कारण उत्तर प्रदेश को पहचान के संकट का सामना करना पड़ा, किसान आत्महत्या करने को मजबूर हुए, युवा काम की तलाश में पलायन कर गए, गरीब भूख से मर रहे थे और उद्यमी तथा महिलाएँ सुरक्षा की माँग कर रही थीं। उन्होंने दावा किया कि आज उत्तर प्रदेश की प्रतिष्ठा फिर से स्थापित हुई है।

गरीबों को दो कमरे का मकान, महिलाओं को हर माह दो हजार, 2 लाख रोजगार...

हरियाणा में जारी हुआ कांग्रेस का गारंटी पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने सात गारंटी की घोषणा की। इसमेंन्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और जातिगत सर्वेक्षण भी शामिल है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस दौरान कहा कि हम 7 गारंटियों की घोषणा कर रहे हैं जिन्हें हम हरियाणा में सरकार बनने पर पूरा करेंगे। हमने अपने 7 वादों को 7 खंडों में बांटा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को हर महीने 2000 रुपये दिए जाएंगे। हम गैस सिलेंडर के लिए हर महीने 500 रुपये देंगे। बुजुर्गों के लिए पेंशन, विशेष रूप से विकलांगों के लिए पेंशन और विधवाओं के लिए पुरानी पेंशन योजना के अनुसार पेंशन को पूरी तरह से लागू किया जाएगा और प्रत्येक श्रेणी को पेंशन राशि के रूप में 6000 रुपये मिलेंगे। हम युवाओं को 2 लाख स्थाई नौकरियाँ देंगे। इसके साथ ही खड़गे ने ऐलान किया कि हर घर को 300 यूनिट मुफ्त बिजली और 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज दिया जाएगा। गरीबों को 100 वर्ग गज का प्लॉट और निर्माण लागत के रूप में 3.5 लाख रुपये दिए जाएंगे।

रोहतक की कलानौर सीट से भाजपा ने रेनू डाबला को मैदान में उतारा

बतौर स्टाफ नर्स कर चुकी हैं काम

रोहतक, एजेंसी। हरियाणा में रोहतक की कलानौर (एससी) सीट पर महिलाओं का दबादबा 1991 से रहा है। कांग्रेस के टिकट पर लगातार चौथी बार चुनाव जीतने के लिए मैदान में उतरीं शकुंतला खटक के मुकाबले भाजपा ने रेनू डाबला को मैदान में उतारा है। पहले दोनों ही स्टाफ नर्स थीं। कलानौर सीट एससी वर्ग के लिए आरक्षित हैं। जिसे कांग्रेस का एक मजबूत गढ़ माना जाता है। इस सीट पर 1991 से ही महिलाओं का काफी दबादबा रहा है। 1991,1996 व 2005 में कांग्रेस की करतार देवी विधायक बनीं तो वहीं, 2009, 2014 व 2019 में शकुंतला खटक विधायक चुनी गई थीं। शुकंतला खटक पर कांग्रेस ने भरोसा जताते हुए चौथी बार फिर मैदान में उतारा है। जिनको जीत दर्ज करने से रोकने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने रोहतक नगर निगम की पूर्व मेयर रेनू डाबला को अपना उम्मीदवार बनाया है। धानक समाज से संबंध रखने वाली शकुंतला खटक और रेनू डाबला राजनीत में आने से पहले स्टाफ नर्स थीं। 2024 के विधानसभा चुनावी रण में दो स्टाफ नर्सों के आमने–सामने आने से चुनावी जंग रोचक होने की उम्मीद है। 2019 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की शंकुतला खटक को भाजपा के रामअवतार वाल्मीकि ने कड़ी टक्कर दी थी। पिछले विधानसभा चुनाव में लगातार दो बार की विधायक शुकंतला खटक को 61935 तो रामअवतार वाल्मीकि को 51286 वोट मिले थे। 8451 वोटों के साथ जजपा के राजेंद्र वाल्मीकि तीसरे और 5595 वोटों के साथ बसपा की कश्मीरी देवी चौथे नंबर पर रही थीं। शकुंतला खटक इससे पहले 2009 व 2014 में विधायक बनी थी। 2024 के विधानसभा चुनाव में भले ही कांग्रेस की शकुंतला खटक और भाजपा की रेनू डाबला एक दूसरे को टक्कर देने के लिए चुनाव रण में उतर चुकी हो, परंतु दोनों की राजनीतिक लॉचिंग के पीछे हुड्डा का हाथ रहा है।

खेल कोटे से प्रवेश के लिए अब मैदान पर दिखानी होगी काबिलियत, पास करना होगा फिटनेस टेस्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में अब खेल कोटे के तहत प्रवेश के लिए प्रमाणपत्र के साथ खिलाड़ी का प्रदर्शन भी देखा जाएगा। खेल कोटे से प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता के मद्देनजर इविवि ने यह महत्वपूर्ण बदलाव किया है। इविवि में शैक्षिक सत्र 2024–25 के तहत खेल कोटे से प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को हर साल की तरह इस बार भी प्रमाणपत्र तो देना ही होगा, साथ ही उन्हें प्रदर्शन करके दिखाना होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस बदलाव को लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया है और काउंसलिंग का कार्यक्रम भी निर्धारित कर दिया है। खेल कोटा के तहत प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को

फिटनेस टेस्ट में 50 मीटर स्प्रिंट, स्टैंडिंग ब्रॉड जंप, ओवरहेड बैक थ्रो और एक किलोमीटर रनध्वॉक में प्रदर्शन करना होगा। यह परीक्षण इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय (एमसीसी मैदान) पर किया जाएगा और अभ्यर्थियों को उचित खेल ड्रेस में पहुंचना होगा। इविवि प्रशासन की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार बीएएलएलबी पांच वर्षीय, बीएफए, बीपीए और इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (आईपीएस) के स्नातक पाठ्यक्रमों में खेल कोटे के तहत प्रवेश के लिए काउंसिलिंग 18 सितंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक होगी। बीएससी और बीकॉम में प्रवेश के लिए 19 सितंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक काउंसिलिंग होगी। बीए की काउंसलिंग 20 एवं 21 सितंबर को होगी। इविवि के इस निर्णय से खेल कोटे से होने वाली प्रवेश प्रक्रिया में गड़बड़ी की आशंका बहुत कम रह जाएगी। पिछले साल सत्यापन के दौरान फर्जी खेल प्रमाणपत्र से प्रवेश के मामले सामने आए थे, जिसकी वजह से इस बार फिजिकल टेस्ट का प्रावधान भी किया गया है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में स्नातक में दाखिले के लिए मंगलवार को कई पाठ्यक्रमों के नए कटऑफ जारी किए गए। बीकॉम में अनारक्षित वर्ग का न्यूनतम कटऑफ 354 और एससी वर्ग का 216 अंक है। अभ्यर्थी 19 सितंबर तक प्रवेश ले सकते हैं। बीएससी गणित में ओबीसी का कटऑफ 345 है और प्रवेश 19 एवं 20 सितंबर को होगा। बीपीए में अनारक्षित वर्ग का कटऑफ 438 अंक है।

प्रवेश 22 सितंबर तक होंगे। बीबीए–एमबीए पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में अनारक्षित वर्ग का कटऑफ 415, ओबीसी का 362 और एससी 308 अंक है। प्रवेश 19 सितंबर तक होंगे। बीसीए में अनारक्षित वर्ग का कटऑफ 406, ओबीसी 335, ईडब्ल्यूएस में 349, एससी का 255 है। अभ्यर्थी 18 सितंबर से प्रवेश ले सकते हैं। इविवि के संघटक इलाहाबाद डिग्री कॉलेज (एडीसी) जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज और श्याम प्रसाद मुखर्जी (एसपीएम) डिग्री कॉलेज ने स्नातक प्रवेश के लिए सभी अभ्यर्थियों बुला लिया है। स्नातक में दाखिले के लिए अभ्यर्थी न मिलने के कारण यह निर्णय लिया गया है। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में बीए प्रवेश के लिए सभी छात्राओं को बुलाया गया है। वहीं, एडीसी में 18 सितंबर को बीए, बीएससी, बीकॉम में प्रवेश के लिए सीयूईटी में शामिल सभी अभ्यर्थियों और एसपीएम डिग्री कॉलेज में भी बीए, बीएससी, बीकॉम में प्रवेश के लिए गैर सीयूईटी सभी अभ्यर्थियों को बुलाया गया है।

प्रयागराज में ब्लैकमेल की गई 11वीं की छात्रा:

इंस्टाग्राम से दोस्ती कर ली तस्वीरें, रुपए और लाखों के गहने ऐंठे

प्रयागराज। प्रयागराज के सिविल लाइंस में गर्ल्स स्कूल में पढ़ने वाली की 11वीं की छात्रा को ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। एक युवक ने इंस्टाग्राम के जरिए छात्रा से दोस्ती की। इसके बाद छात्रा की कई फोटो, वीडियो बना लिए। लगातार वह छात्रा को ब्लैकमेल करने लगा। कभी 20 हजार रुपए तो कभी सोने के गहने मंगा लेता था। छात्रा डर की वजह से अपनी मां तक के गहने उसे दे आई। छात्रा ने रुपए देने से इनकार किया

तो युवक ने उसकी सहेलियों को तस्वीरें भेजनी शुरू कर दी। इससे छात्रा और डरने लगी। फेक आईडी के जरिए वह लगातार फोटो भेज रुपये मंगाता रहा। छात्रा ने पूरा मामला घरवालों को बताया तो पिता ने रिपोर्ट दर्ज करा दी। अब पुलिस जांच कर रही है। छात्रा शहर खुल्दाबाद के एक अपार्टमेंट में रहते हैं। उनके पिता प्राइवेट नौकरी करती हैं। छात्रा और उस युवक के बीच एक साल से दोस्ती थी। सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद दोनों ने मिलना जुलना शुरू कर दिया। युवक छात्रा को बहका कर रुपये मंगाने लगा। छात्रा के पिता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि न्यू कैंट का रहने वाला माहिर गौडियाल ब्लैकमेल कर रहा है। पहले उसने दोस्ती की फिर बहाने से उसकी तस्वीरें उतार लीं। अब वह रुपये, गहने वसूल रहा है। उसने छात्रा की मां के खाते से 20 हजार रुपये अपने दोस्त के खाते में यूपीआई के जरिए मंगाए। मां के सोने की चेन और कुंडल भी धमकाकर ले लिए। छात्रा अक्सर घरवालों को बिना बताए आरोपी को रकम देती रही। फेक आईडी से निजी तस्वीरें भेज कर रहा बदनाम का रहा है। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हालांकि पुलिस पूछताछ करने पहुंची तो वह घर में नहीं मिला।

होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में शुरू होगा शोध

प्रयागराज। राजकीय लाल बहादुर शास्त्री होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज फाफामऊ में नीट यूजी के तहत प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जा रही है। नए सत्र में कॉलेज में बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएचएमस) की 125 सीटों पर प्रवेश होगा। इसमें 11 सीटें ऑल इंडिया कोटे की हैं। यूजी के बाद पीजी की 13 सीटों पर प्रवेश शुरू होगा। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. हेमलता के अनुसार मेडिकल कॉलेज में पहली बार शोध कार्य के लिए अनुमति मांगी गयी है, जिसकी एक सप्ताह में मंजूरी मिल जाएगी। प्राचार्य ने बताया कि 1996 में स्थापित मेडिकल कॉलेज ओपीडी की दृष्टि से देश में दूसरे स्थान पर है। यहां की ओपीडी में रोज लगभग 1200 मरीज आते हैं।

महिलाओं की अपेक्षा पुरुष अधिक हो रहे डेंगू से पीड़ित

प्रयागराज। डेंगू का प्रकोप निरंतर बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को भगवतपुर और सिविल लाइंस में एक–एक नए मरीज मिले। इसी के साथ जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़कर 41 हो गयी है। मलेरिया विभाग के आंकड़ों के अनुसार महिलाओं की अपेक्षा पुरुष डेंगू से अधिक पीड़ित हो रहे हैं। 12 अगस्त से 17 सितंबर तक लगभग 21 पुरुष डेंगू से पीड़ित हो चुके हैं। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. आनंद सिंह के अनुसार टीम ने शहर के विभिन्न मोहल्लों में 69 हजार घरों में जांच की है। इसमें 3175 घरों में लार्वा मिले हैं। इसमें सबसे ज्यादा कूलर में 2018, गमलों में 351, पानी की टंकी में 133, नाली में 100, फ्रिज में 81 और अन्य जगहों पर 469 लार्वा मिले हैं। कूलर में मिले लार्वा का प्रतिशत 63.55 और गमलों का 11 प्रतिशत है।

बाढ़ के कारण रसूलाबाद में अंतिम संस्कार बंद

प्रयागराज। गंगा–यमुना में आई बाढ़ से अंतिम संस्कार कहीं बंद कर दिया गया है तो कहीं स्थान बदला है। रसूलाबाद श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार रोक दिया गया है। वहीं दारागंज श्मशान घाट डूबने के बाद अब बांध पर दाह संस्कार कराया जा रहा है। फाफामऊ में भी बांध पर अंतिम संस्कार किया जा रहा है। फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 83.80 मीटर पहुंचते ही रसूलाबाद श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार रोक दिया गया। घाट पर अंतिम संस्कार कराने वाले जगदीश द्विवेदी ने बताया कि पहले श्मशान घाट का मार्ग जलमग्न हुआ। शवों के रखने का चबूतरा डूबने के बाद अंतिम संस्कार बंद कर दिया गया। घाट पर आने वाले सभी शव शंकरघाट स्थित विद्युत शवदाह गृह भेजे जा रहे हैं। इससे अंतिम संस्कार के लिए आ रहे लोगों को परेशानी हो रही है। लकड़ी के टाल भी बांध पर शिफ्ट होने से मुश्किल खड़ी हो रही है। इसी प्रकार छतनाग श्मशान घाट डूबने से अब छतनाग मार्ग पर अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

गंगा और यमुना के जलस्तर में कमी लगातार जारी, बाढ़ प्रभावित इलाकों में दुश्वारियां बरकरार

प्रयागराज। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत भरी खबर है। गंगा का जलस्तर फिलहाल स्थिर है। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार बुधवार को भी गंगा के जलस्तर में कमी दर्ज की गई है. अब यहां पर 83.94 मीटर पर गंगा बह रही हैं और छह सेंटी मीटर की रफ्तार घट रही हैं। छतनाग में जलस्तर 82.83 मीटर पर बह रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर भी घट रहा है। यहां पर फिलहाल जलस्तर 83.69 मीटर पर है। जिले में मंगलवार को 11 घंटे में 42.31 मिलीमीटर बारिश हुई। इनमें से करछना और कोरांव के बाद शहर में सबसे अधिक सदर तहसील में 60 मिमी बारिश हुई। प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह आठ से शाम सात बजे के बीच करछना में 72 मिमी बारिश हुई। कोरांव में 62 मिमी और सदर तहसील में 60 मिमी बारिश हुई। बारा में 33, हंडिया में 23.5, फूलपुर में 10 तथा सोरांव में 15 मिमी बारिश हुई। गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ने के बाद सहायक नदियां चंबल, केन और बेतवा भी उफान पर थी। कई जिलों से होते हुए प्रयागराज में पानी पहुंचा तो वह बाढ़ का रूप ले लिया था। यमुना के सापेक्ष शुक्रवार को गंगा का पानी धीमी गति से बढ़ा था। यमुना का वेग इतना तेज था कि रात तक लेटे हनुमानजी डूब गए। सुबह तक मंदिर परिसर में कमर तक पानी भर गया था। गंगा–यमुना का जलस्तर लगातार खतरे के निशान की ओर बढ़ रहा था। सिंचाई विभाग का बाढ़ खंड इसकी निगरानी कर रहा था। यहां खतरे का निशान 84.73 मीटर है। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार रविवार को दोपहर 12 बजे की गई निगरानी के अनुसार फाफामऊ में गंगा के जलस्तर में वृद्धि जारी रही। यहां पर जलस्तर 83.88 मीटर पर बह रही हैं, जो खतरे के निशान से कुछ ही नीचे है। इसी तरह छतनाक में गंगा जलस्तर 83.09 मीटर है और लगातार वृद्धि जारी है। इसी तरह नैनी में यमुना का चलस्तर 83.71 मीटर है और लगातार वृद्धि जारी है। गंगा और यमुना करीब 10 सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रही हैं। खतरे का निशान 84.734 मीटर है। बाढ़ नियंत्रण इकाई की बुलेटिन के अनुसार गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच रहा है। बाढ़ का पानी लगातार बस्तियों में बढ़ता जा रहा है। इससे लोगों में खलबली मच गई है। रविवार दोपहर 12 बजे तक की बुलेटिन के अनुसार फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 83.88 मीटर, छतनाग में 83.09 पर है। बढ़ोत्तरी लगातार जारी है। गंगा करीब दस सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 83.71 मीटर रिकॉर्ड किया गया। चार घंटे में दस सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। रविवार शाम चार बजे तक की बुलेटिन के अनुसार फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 83.92 मीटर, छतनाग में 83.14 पर है। बढ़ोत्तरी लगातार जारी है। गंगा करीब दस सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 83.78 मीटर रिकॉर्ड किया गया। चार घंटे में दस सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। डेंजर लेबल 84.734 मीटर है। सोमवार को जारी बुलेटिन के अनुसार फाफामऊ में गंगा 84.07 मीटर, छतनाग में में 83.40 मीटर पर बह रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 83.90 मीटर रिकॉर्ड किया गया। 24 घंटे में गंगा में 21 और यमुना में 39 सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। डेंजर लेबल 84.734 मीटर है। गंगा और यमुना खतरे के निशान के बिल्कुल करीब पहुंच गई हैं और कभी भी निशान को पार कर सकती हैं। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार फाफामऊ में गंगा 84.07 मीटर, छतनाग में में 83.41 मीटर पर बह रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 83.91 मीटर रिकॉर्ड किया गया। 24 घंटे में गंगा में 21 और यमुना में 39 सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। डेंजर लेबल 84.734 मीटर है। गंगा और यमुना का पानी तराई इलाकों में स्थित कॉलोनियों और मुहल्लों में घुस जाने के कारण लोग सुरक्षित स्थानों पर जा रहे हैं।

महाकुंभ नगर के नाम पर जल्द बनेगा नया जिला, डीएम के अलावा पूरा प्रशासनिक महकमा होगा अलग

प्रयागराज। महाकुंभ नगर के नाम पर जल्द ही नया जिला बनेगा। इसके लिए सर्वे शुरू कर दिया गया है। इसमें 40 से 45 गांव लिए जाने की तैयारी है। जबकि, 2019 में 30 गांव लिए गए थे। महाकुंभ–2025 की दृष्टि से निर्धारित समय के लिए एक नया जिला घोषित किया जाएगा। इसमें अधिसूचित क्षेत्र के लिए नए डीएम के अलावा पूरा प्रशासनिक महकमा अलग होगा। इस बार 4000 हजार हेक्टेयर में मेला बसाया जाएगा। महाकुंभ नगर में इस 4000 हजार हेक्टेयर के अलावा भी आसपास की जमीन शामिल की जाएगी। इसका दायरा चिह्नित करने के लिए मेलाधिकारी विजय किरन आनंद की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है। कमेटी में मेला एसएसपी के अलावा डीएम प्रयागराज समेत अनेक अफसर एवं संस्थाओं के प्रमुख शामिल किए गए हैं। प्रयागराज जिला एवं मेला प्रशासन के बीच सीमा विवाद न हो इसलिए कई कदम उठाए गए हैं। इसके तहत इस बार चिह्नित पूरे गांव को महाकुंभ नगर में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। पूर्व में जरूरत के अनुसार आंशिक रूप से भी गांव शामिल किए जाते रहे हैं। इसके अलावा प्रशासन का सबसे ज्यादा फोकस वाहनों के पार्किंग स्थलों पर है। पार्किंग स्थलों के संचालन की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। नए जिले के बाबत जारी होने वाली अधिसूचना में स्पष्ट होगा कि कौन–कौन से पार्किंग स्थल महाकुंभ नगर की पुलिस के पास और कौन से प्रयागराज जिले की पुलिस के पास होंगे। भीड़ प्रबंधन की दृष्टि से सड़कों को लेकर भी स्पष्टता होगी। कमेटी की एक बैठक हो चुकी है। इन सभी बिंदुओं पर चर्चा हुई है। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि नया जिला जल्द ही घोषित होगा। सर्वे कराया जा रहा है। पूर्व के अनुभवों को देखते हुए गांवों के चयन, पार्किंग आदि को लेकर स्थिति स्पष्ट की जाएगी। मेला प्राधिकरण की अगली बैठक में इस पर निर्णय हो सकता है।

हेड स्पीच के खिलाफ कांग्रेसियों का प्रदर्शन, भाजपा के खिलाफ नारेबाजी, प्रयागराज में सांसद के साथ धरने पर बैठे कांग्रेस नेता

प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार को कांग्रेसियों ने विरोध प्रदर्शन कर यूपी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेसी राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार सहित अन्य मुद्दों प्रदेश सरकार के खिलाफ हल्ला बोल प्रदर्शन के लिए उतरे। प्रदर्शनकारियों ने कानून व्यवस्था में सुधार और थाना स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार पर जल्द अंकुश न लगाने पर आंदोलन की चेतावनी दी। कांग्रेसियों ने राहुल गांधी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पर भी नाराजगी जाहिर की।

बुधवार को सिविल लाइंस स्थित धरना स्थल पर बड़ी संख्या में जुटे प्रयागराज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, फतेहपुर जिला शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने योगी सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आक्रोश जताया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ भी नारेबाजी की। सांसद उज्जवल रमण सिंह ने कहा कि भाजपा के राज में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। थाना स्तर पर भ्रष्टाचार चरम पर है।

सांसद उज्जवल ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की शह पर पुलिस लगातार फेक एनकाउंटर करने पर अमादा है। उन्होंने प्रदेश में हो रहे एनकाउंटर की न्यायिक जांच सुप्रीम कोर्ट के वर्त्तमान न्यायमूर्ति से कराए जाने की मांग की।

कांग्रेसियों ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भाजपा नेताओं द्वारा अमर्यादित टिप्पणी करने को लेकर भी आक्रोश जताया। इस दौरान पूर्व विधायक विजय प्रकाश के नेतृत्व में नेताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित दो सूत्रीय पत्र अपर नगर मजिस्ट्रेट को सौपा गया।

सीजेएम जवाब दें... मर्जी के खिलाफ युवती को कैसे भेजा नारी निकेतन, रिहा करने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गोरखपुर के नारी निकेतन में कैद दूसरे धर्म में विवाह करने वाली युवती को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है। साथ ही सिद्धार्थनगर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) से स्पष्टीकरण तलब कर पूछा है कि विधि विरुद्ध तरीके से युवती की मर्जी के खिलाफ उसे नारी निकेतन कैसे भेजा गया। यह आदेश न्यायमूर्ति अरविंद सिंह सांगवान और न्यायमूर्ति मो. अजहर हुसैन इदरीशी की खंडपीठ ने याची आरती की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।

मामला सिद्धार्थनगर के मोहना थाना क्षेत्र का है। याची आरती ने परिजनों की मर्जी के खिलाफ गांव के ही हेसामुद्दीन के साथ शादी की। इसके बाद विशेष विवाह अधिनियम के तहत विवाह के पंजीकरण का आवेदन किया। नोटिस मिलने पर खफा पिता ने विवाह पंजीकरण के आवेदन के खिलाफ आपत्ति दाखिल की। साथ ही हेसामुद्दीन व उसके परिजनों के खिलाफ मारपीट और धमकी देने के आरोप में एफआईआर भी दर्ज कराई। इसके बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सिद्धार्थनगर ने अग्रिम आदेश तक याची को अगस्त 2024 में नारी निकेतन गोरखपुर भेज दिया। इसके खिलाफ याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि याची बालिग है। उसे अपनी मर्जी से शादी करने का हक है। सीजेएम ने बिना कलमबंद बयान दर्ज किए अग्रिम आदेश तक याची को नारी निकेतन भेज दिया। इसके बाद अब तक नया आदेश पारित नहीं किया। याची नारी निकेतन से आजादी चाहती है। मामले की अगली सुनवाई 24 सितंबर को होगी।

क्षमा शब्द मानवीय जीवन की आधारशिला, जिसके जीवन में क्षमा है, वही महान

प्रयागराज। शहर के जीरो रोड स्थित जैन मंदिर में क्षमा वाणी पर्व बुधवार को विधि विधान से मनाया गया। इस मौके पर अनुयाइयों ने विशेष पूजन, अनुष्ठान, शांति धारा अनुष्ठान आदि का आयोजन किया। सबसे पहले भगवान महावीर का पूजन

अभिषेक और आरती की गई। उसके बाद सभी श्रद्धालुओं ने एक दूसरे से क्षमा याचना कर अपने द्वारा की गईं गलतियों के लिए क्षमा मांगी। कहा गया कि क्षमा धर्म विश्व शांति का प्रबल मंत्र है। क्रोध न करना ही क्षमा का दूसरा नाम है। क्षमा मांगने की नहीं स्वयं के अंदर उतारने की आवश्यकता है। जैसे रूप का आभूषण गुण है और गुण का आभूषण ज्ञान है। उसी तरह ज्ञान का आभूषण क्षमा है। क्षमा से विश्वव्यापी समस्याओं का समाधान हो सकता है। जैन धर्मावलंबियों ने सालभर में जाने–अनजाने में हुई गलतियों के लिए एक–दूसरे से क्षमा याचना की। जैन मुनियों ने बताया कि क्षमा शब्द मानवीय जीवन की आधारशिला है। जिसके जीवन में क्षमा है, वही महानता को प्राप्त कर सकता है। क्षमावाणी हमें झुकने की प्रेरणा देती है। दशलक्षण पर्व हमें यही सिख देता है कि क्षमावाणी के दिन हमें अपने जीवन से सभी तरह के बैर को मिटाकर प्रत्येक व्यक्ति से क्षमा मांगनी चाहिए। दूसरों को भी क्षमा करने का भाव है ही क्षमावाणी है।

प्रयागराज में डिजिटल अरेस्ट हुई वकील:

CBI अफसर बन कहा- तुम्हारे नाम मलेशिया में ड्रग्स भेजा गया, 3 लाख दो और बच लो

प्रयागराज। प्रयागराज में महिला वकील से फ्रॉड करने का मामला सामने आया है। साइबर अपराधियों ने उसे डिजिटल अरेस्ट कर उसके खाते से 3 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए। ठगी करने वाले ने खुद को ब्ठप् चीफ बनकर वकील को डराया। उसने फोन करके कहा था कि उसके नाम पर मलेशिया में ड्रग्स भेजा जा रहा है। ठगी के बारे में पता चलने पर पीड़ित वकील ने सोमवार को केस दर्ज कराया है। धूमनगंज थाना क्षेत्र के राजरूपपुर की रहने वाली महिला अधिवक्ता हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करती हैं। वकील के मोबाइल नंबर पर कॉल आई। कॉल करने वाले शख्स ने बताया कि नई दिल्ली कस्टम ऑफिस से सुमित मिश्रा बोल रहा हूं। अफसर ने कहा कि आपके नाम पर अवैध पार्सल भारत से कोल्लांमपुर (मलेशिया) भेजा जा रहा है। पार्सल में 14 एटीएम और 118 पासपोर्ट और 148 ग्राम एमडीएम यानि ड्रग भारत से मलेशिया भेजा जा रहा है। यह पार्सल किसी वॉन गैंग के नाम पर भेजा जा रहा है। इतना सुनते ही महिला वकील के होश उड़ गए। फर्जी अफसर बने जालसाजों ने कहा कि वसंत कुंज नई दिल्ली पुलिस थाने तत्काल आएं नहीं तो टीम छापेमारी को निकल जाएगी। अधिवक्ता ने कहा कि वह प्रयागराज में हैं। तब जालसाजों ने एक नंबर देकर बताया कि यह बसंतकुंज पुलिस थाना हेडक्वार्टर सुनील कुमार का है इस पर बात करें। व्हाट्सएप के माध्यम से जालसाजों ने वीडियो कॉल पर बात की। बताया कि मनी लन्ड्रिंग और ह्यूमन ट्रैफिकिंग केस में आपके नाम एफआईआर हो रही है। यह भी कहा गया कि आपने संजय सिंह एचडीएफसी बैंक मैनेजर मुंबई के साथ मिलकर क्राइम किया है। कहा कि कॉल डिटेल के साथ अन्य साक्ष्य मौजूद हैं। इस बीच साइबर अपराधी धमकाते रहे। इसके बाद जालसाजों ने कॉल दूसरे नंबर स्थानांतरित कर बताया कि सीबीआई चीफ अजीत श्रीवास्तव से बात करें। सीबीआई चीफ बनकर बात करने वाले शख्स ने महिला अधिवक्ता से व्यक्तिगत और पारिवारिक पृष्ठभूमि, आधार नंबर और बैंक डिटेल की जानकारी दी। कहा कि आपके बारे में पूरी डिटेल जांच के बार आ गई है। उसने धमकाया कि यह बेहद गोपनीय केस है। इसके बाद महिला वकील डर गईं। जालसाजों ने महिला अधिवक्ता को बताया कि आपका अकाउंट फ्रीज किया जा रहा है। जांच के लिए आरबीआई के द्वारा घंटे भर के लिए एक और पिन जनरेट किया जा रहा है।

ओजोन दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज सप्रकृति के अनुकूल हो विकास: प्रो.अर्चना पाडेय

सीएमपी डिग्री कॉलेज के रसायन शास्त्र विभाग जल साक्षरता सर्टिफिकेट कोर्स एवं इंस्टिट्यूट इनोवेशन सेल के संयुक्त तत्वाधान में ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में प्रकृति केंद्रित विकास विषय पर मुख्य वक्ता प्रोफेसर अर्चना पांडेय ने कहा ओजोन लेयर नहीं रही तो लगभग 28: लोगों को त्वचा का कैंसर मोतियाबिंद और इम्युनिटी पावर कमजोर हो जाएगा। ओजोन परत क्लोरोफ्लोरोकार्बन के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है जो 50 वर्षों तक वायुमंडल में बना रहता है जो हमारे फ्रिज एयर कंडीशनर सुपरसोनिक विमान ज्वालामुखी विस्फोट नाइट्रस ऑक्साइड फर्टिलाइजर से निकलती है इससे बचने के लिए हमें इको फ्रेंडली केमिकल्स व्हीकल जो नाइट्रस ऑक्साइड न उत्सर्जित करता हो एयर कंडीशन, फ्रिज,कीटनाशक इको फ्रेंडली प्रयोग किए जाएं और अधिक से अधिक सोलर पैनल का उपयोग हो। रसायन विज्ञान

विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संतोष श्रीवास्तव ने कहा कि विकास के नाम पर सड़क किनारे का सैकड़ों वर्ष पुराना पेड़ काटना ठीक नहीं है।हमें अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाते हुए इस धरती को और खूबसूरत बनाना है।वनस्पति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर दीपक गोंड नें कहा कि पेड़ लाखों जीव कीट पतंगों पक्षियों को शेल्टर देता है साथ हम मनुष्यों को प्राण वायु औषधि एवं अन्य उपयोगी चीजें फिर भी हम उन्हें काटने का काम करते हैं ।जल साक्षरता कोर्स के समन्वयक डॉक्टर प्रमोद कुमार नें कहा कि जल साक्षरता कोर्स से जुड़कर छात्र अपना कैरियर भी बना सकता है असीम संभावनाएं हैं रिसर्च एंड इनोवेशन के फील्ड में,अलग अलग पात्रों में रखे जल और अलग अलग स्रोतों के जल की गुणवत्ता में जो परिवर्तन दिखाई देता है और आज कुछ कंपनियां बहुत मंहगे दामों में पानी के बाजार को खडा किए है इस दिशा में हम प्रयास करके अधिक से अधिक लोगों को स्वच्छ जल उपलब्ध करा सकते हैं।पानी का सबसे ज्यादा खपत कृषि क्षेत्र में सिचाई के लिए होता है हम क्राप पैटर्न में बदलाव के माध्यम से एवं टेक्नोलॉजी के उपयोग से पानी की खपत को कम कर सकते हैं इस कोर्स का उद्देश्य पानी के लिए समर्पित एक संवेदनशील युवा तैयार करना है। इस अवसर पर छात्र छात्राओं नें पोस्टर भी बनाकर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया बी.एस.सी.की छात्रा रिया सेन नें गंगा की पवित्रता एवं प्रदूषण पर कविता भी सुनाई। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम की आयोजिका डॉक्टर हिमानी चौरसिया नें किया। इस अवसर पर प्रो. अनिल कुमार शुक्ल, डॉक्टर विशाल श्रीवास्तव, डॉक्टर, प्रवीन सिंह, डॉक्टर, प्रवीण त्रिपाठी, डॉक्टर, रंजीत कुमार सहित बडी संख्या में शोधा,परास्नातक एवं स्नातक के विद्यार्थी मौजूद रहे।

भाषण प्रतियोगिता में गौरव गिरी ने मारी बाजी

प्रयागराज ससीएमपी डिग्री कॉलेज के हिन्दी विभाग द्वारा राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

हुआ जिसमें गौरव गिरी पहले स्थान पर, शिवम शुक्ला दूसरे स्थान पर ,अभय प्रताप सिंह तीसरे स्थान पर रहे. रजनीश कुमार मिश्र, सोनू कुमार सिंह और पीयूष तिवारी को सांत्वना पुरस्कार मिलसनिर्णायक की भूमिका में प्रोफेसर अर्चना खरे, प्रोफेसर भावना चौहान और डॉ शशि बाला रहींस प्रोफेसर सरोज सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन कियाससंचालित डॉ पूजा गौड़ ने कियासइस अवसर पर प्रोफेसर दीनानाथ, डॉ प्रेमशंकर सिंह, डॉ रंजीत सिंह , डॉ रमाशंकर सिंह, डॉ जी गणेशन, डॉ राजेन्द्र यादव, डॉ रामानुज यादव, डॉ प्रियंका गौड़ एवं विद्यार्थियों ने भाग लियास

द लेयर्स राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी ने छुए सफलता के उच्च-सोपान'

राष्ट्रीय कला-प्रदर्शनी द लेयर्स ने भारत में सफलता के झडे गाड़े'

प्रयागराज स दलेयर्स राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में भारत के विभिन्न शहरों से 20 जाने माने कलाकारों की 66 अद्भुत कलाकृतियां प्रदर्शित हुई जिसकी सराहना पूरे भारत में हो रही है।गुरुकुल कला दीर्घा कानपुर एवं भारत ललित कला अकादमी द्वारा कलाकारों की सामूहिक राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी को ख्याति प्राप्त चित्रकार एवं गुरुकुल आर्ट गैलरी के संस्थापक प्रो.अभय द्विवेदी सर एवं कानपुर विश्वविद्यालय के कला के प्रो. डॉ. हृदय गुप्ता सर ने भारत के अलग–अलग जगह से आए हुए कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए प्रदर्शनी के आयोजक सुमित ठाकुर एवं संरक्षक रवीन्द्र कुशवाहा की जमकर सराहना की तथा बताया कि सभी कलाकारों ने अपनी–अपनी व्यक्तिवादी ,सयोंजनों में प्रयोगवादी ,

यथार्थवादी, चित्रण किया है व कला और सौंदर्य की चेतना को जागृत कर समाज को जगाने की कोशिश की है । इस राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का उद्घाटन राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष प्रख्यात कलाकार सुनील विश्वकर्मा के कर–कमलों द्वारा हुआ है।इस प्रदर्शनी में शामिल प्रख्यात कलाकारों में प्रो.सुनील सक्सेना का डिवाइन नेचर, रवीन्द्र कुशवाहा का अमूल्य भारतीय धरोहर, जोएल गिल का फेसलेस टू, अनिल सोनी का अनटाइटल सिक्स, अनूप कुमार सिंह का नेचर, अर्चना पांडे का म्यूजिशियन, भोला सिंह का अनटाइटल, कमलेश वर्मा का नेचर, कसुला पद्मावती का नेचर लोगों के मन को बहुत लुभाया और पसंद आया तो खुशबू उपाध्याय सोनी का सीन–अनसीन, मनीष मंजुल उपाध्याय का व्यंग्य चित्र सुअर का राजभोग, मनोज कुमार हंसराज का प्रकृति के संत, मो.माजीद मंसूरी का कैजुअल फॉर्म तथा मोहम्मद सुलेमान का भगवान गणेश की दिव्य कृतियां दर्शकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहीं, मोनिका सहाय की छठ पूजा, तलत महमूद का सी स्केप, राजीव सेमवाल का लविंग नेचर, राजेंद्र भारतीय का बनारस के घाट, शचिकांत झा का सर्विस डे वाच तथा डॉ. सचिन सैनी का भूख और तड़प समाज में व्याप्त असमानता को दिखाती कृति ने जनमानस की भावनाओं को झकझोर कर रख दिया। प्रदर्शनी देखने वालों का तांता लग रहा, दस–बारह स्कूल कॉलेज के विद्यार्थियों सहित हजारों दर्शकों ने इसकी सराहना की और इस शानदार राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी की चर्चा पूरे देश में हो रही है।

स्वर्गीय चंद्रमणि पाडे चंद्र की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन

प्रतापगढ़ । साहित्यिक ,सामाजिक एवं आध्यात्मिक प्रेरणा के संवाहक वरिष्ठ साहित्यकार स्व.चन्द्रमणि पांडेय चन्द्र की जयंती के अवसर पर सत्प्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गयाद्यमाँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई।मुख्य अतिथि सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य ने स्व.चंद्रमणि जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि वह समाज में एक आदर्श व्यक्तित्व थे। उन्होंने हिंदी साहित्य की श्रेष्ठ रचनाओं के साथ–साथ अध्यात्म के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कियाद्य वरिष्ठ भाजपा नेता व सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता आलोक कुमार पाण्डेय ने कहा कि स्व.चंद्रमणि पाण्डेय का व्यक्तित्व विराट था। समाज और राष्ट्र से संबंधित ज्वलंत विषय पर अनेक रचनाएं उन्होंने लिखीद्य सरलता और सहजता की प्रतिमूर्ति चंद्रमणि पांडेय का पूरा जीवन प्रेरणादायी है और यह कार्यक्रम हम सबके लिए संकल्प दिवस है कि हम समाज को सत्य के मार्ग पर ले चले और यशस्वी राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देंद्य यह जयंती समारोह आने वाले वर्षों में अनवरत चलता रहेगा। काव्य गोष्ठी का शुभारंभ बच्चा बाबू की वाणी वंदना से हुआ । वरिष्ठ साहित्यकार सुनील प्रभाकर ने अपने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि चंद्रमणि पांडेय जी हमेशा सभी को उत्साहित करने का कार्य करते थेद्य शीतला प्रसाद सुजान ने चलती रहेगी दुनिया बदलते रहेंगे चेहरे,कल और होगा कोई जहां हम हैं ठहरे। जौनपुर से आये निर्मल नदीम ने जो लोग तेरे इश्क के बीमार नहीं हैं, दुनिया मे जीने के भी हकदार नहीं हैं। युवा साहित्यकार सर्वेश सिंह ने मेरे सारे संघर्षों की जान बाबू जी,मैं जो सर उठाकर चलता हूँ वो शान बाबू जी। मेरा पैन,मेरा आधार बाबू जी। पढ़कर वाहवाही लूटी। इं.चंद्रकांत तिवारी शाश्वत ने लिख रहा हूँ मैं एहसास की पंक्तियां, जब तलक तात हैं कर ले हैं मस्तियां पढ़कर तालियां बटोरी। राज नरायण शुक्ल राजन की रचना आप मंदिर में जाएं जरूरी नहीं,फूल माला चढ़ाएं जरूरी नहीं। अपने माता – पिता,गुरु की सेवा करें,रोज गंगा नहाएं जरूरी नहीं. ..ने खूब वाहवाही लूटी। डॉ. अनुज नागेंद्र ने पढ़ा सूरते दुनिया निखरती जा रही है,हां मगर तहजीब घटती जा रही है।सुरेश सम्भव ने लोक परंपरा से जुड़ी रचना पढ़ी। वरिष्ठ साहित्यकार राजन शुक्ल ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए अपनी काव्य रचना प्रस्तुत की । समारोह में समाज में विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान देने वाले लोगों व नारी शक्ति को सम्मानित किया गया। अध्यक्षता सुखदेव तिवारी व संचालन अनूप अनुपम ने किया। आयोजक डॉ. सौरभ पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। भाजपा जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, भाजपा नेता दिनेश गुप्ता, भाजपा नेता सिंधुजा मिश्रा, भाजपा नेता डॉक्टर राकेश सिंह ने भी विचार व्यक्त करते हुए अपने विचार रखेंद्य इस अवसर पर प्रो.बृजभानु सिंह, डॉ. चेत प्रकाश पाण्डेय, पूर्व मंत्री अवधेश मिश्र,शिवशंकर सिंह,राजेश सिंह,शरद केसरवानी,संजीव आहूजा,पूर्व महामंत्री जूबाए त्रिपाठी,डा.सुधांशु उपाध्याय,डा.कामायनी उपाध्याय,शिशिर खरे, गिरजा शंकर मिश्रा,सूर्यकांत निराला, डॉक्टर दीप्ति पांडेय, रेनू पांडेय,अनामिका उपाध्याय, पिंकी दयाल,प्रिया त्रिपाठी, मनोज सिंह, अजय पांडेय, योगेश शर्मा रघुवीर प्रसाद उपाध्याय, विनोद कुमार द्विवेदी, संजय तिवारी, डॉ संतोष शुक्ला, राजेश मिश्र, सुरेंद्र प्रसाद पांडेय, राजेश जायसवाल, गोविंद खंडेलवाल, अश्विनी केशरवानी, उदय भान सिंह समाजशेखर,आलोक आजाद, नितेश खंडेलवाल आदि मौजूद रहे।

विदेशी पर्यटको को आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग पेरिस, टोक्यो, लंदन तथा सिंगापुर में स्टॉल लगायेगा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश घरेलू पर्यटन के क्षेत्र में देश में प्रथम स्थान पर आने के बाद विदेशी पर्यटको को उ0प्र0 की ओर आकर्षित करने के लिए सितंबर और अक्टूबर में पेरिस, लंदन तथा जापान की राजधानी टोक्यो एवं सिंगापुर में स्टॉल लगाकर उ0प्र0 की समृद्धशाली सांस्कृतिक विरासत तथा गौरवशाली इतिहास से जुड़े पर्यटन स्थलो तथा प्राकृतिक सुंदरता को पूरी दुनिया को परिचित करायेगा। इसी के तहत पर्यटन विभाग विभिन्न देशों मे आयोजित होने वाले ट्रैवल मार्केट में अपनी उपस्थिति दर्ज करायेगा। इसके लिए पर्यटन विभाग उ0प्र0 को पर्यटन हब के रूप में विकसित करने की जोरदार तैयारी कर रहा है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पेरिस में 17 सितंबर से इंटरनेशनल फ्रेंच ट्रैवल मार्केट का शुभारंभ हुआ है, जो 19 सितंबर तक चलेगा। यहां भी पर्यटन विभाग ने अपना मंडप बनाया है। यहां उत्तर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों और ओडीओपी को दर्शाया गया है। वहां रोड शो भी किया जायेगा। इसके अलावा महत्वपूर्ण स्थल जहां बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन रहता है, वहां विभिन्न माध्यमों से प्रदेश के पर्यटन स्थलों का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। जयवीर सिंह ने बताया कि जापान की राजधानी टोक्यों में इसी माह 26 से 29 सितंबर तक टूरिज्म एक्सपो, 23 से 25 अक्टूबर तक सिंगापुर में आईटीबी एशिया और 5 से 7 नवंबर तक लंदन में वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट का आयोजन किया जाएगा। इन सभी जगहों पर उत्तर प्रदेश पर्यटन स्टॉल लगाएगा। इसके अलावा रोड–शो का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें भारतीय व अन्य देशों के टूर–ट्रैवल ऑपरेटर्स, मीडिया प्रतिनिधि और अंतरार्ष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों के साथ चर्चा होगी। आगंतुकों के साथ उचित जुड़ाव सुनिश्चित करने के लिए साइनेज, साहित्य, बैनर और पोस्टर अंग्रेजी के अलावा विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध कराये जायेंगें। महत्वपूर्ण स्थलों जैसे– एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, शॉपिंग मॉल सहित अन्य स्थलों पर उत्तर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों का प्रचार–प्रसार किया जाएगा। प्रदेश सरकार जिन आकर्षणों का विशेष रूप से प्रचार–प्रसार कर रही है उसमें महाकुंभ– 2025, बौद्ध सर्किट, ईको सर्किट, आध्यात्मिक पर्यटन स्थल, रूरल–एग्री टूरिज्म सहित अन्य हैं। जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। विदेश से आने वाले पर्यटकों के मामले में भी पहला स्थान हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। इसी क्रम में यहां के पर्यटन स्थलों का विश्व में प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। ताकि, टूर–ट्रैवल ऑपरेटर्स यहां के स्थलों को अपनी आइटनरी में शामिल करें, जिससे अधिक से अधिक पर्यटक भ्रमण के लिए आकर्षित हों। उन्होंने बताया कि उ0प्र0 में धार्मिक एवं आध्यतमिक पर्यटन के लिए बढ़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे है। इस वर्ष जनवरी से जून तक 32 करोड़ पर्यटक उ0प्र0 का भ्रमण कर चुके है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं0 : 9020242025 दिनांक : 12.09.2024

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/प्रयागराज निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई निविदा सूचना सं0 : 9020242025-202GEM/2024/B/5389234 Dated:11.09.2024

कार्य का नाम : दो (02) वर्षों के लिए एसएसई/वर्क्स/यातायात, एसएसई/वर्क्स/डीएसए और एसएसई/वर्क्स/अस्पताल, प्रयागराज के अनुभाग में सेवा भवनों, अधिकारी के बंगले, कर्मचारी क्वार्टरों के रखरखाव की द्वि-वार्षिक सेवा प्रदान करना।

अनुमानित लागत (रू. में) : Rs. 1,29,26,975.20 | अमानत राशि (रू. में) : Rs. 2,14,630.00

निविदा बंद होने की तिथि : 07.10.2024 को 15:00 बजे

कार्य समापन की अवधि : 24 माह | कार्य की प्रकृति : कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

नोट :- (1) पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे वेबसाइट https://gem.gov.in पर देखें। 1636/24 (C)

CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

भूकम्प आपदा के प्रति संवेदनशील जनपदों के साथ भूकम्प एवं अग्नि सुरक्षा पर दिया जायेगा प्रशिक्षण

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय सेना के मुख्यालय मध्य कमान द्वारा आज पश्चिम उ0प्र0 सब एरिया, मेरठ कैंट में प्रदेश के 35 भूकम्प आपदा के प्रति संवेदनशील जनपदों के साथ भूकम्प एवं अग्नि सुरक्षा पर एक्सरसाइज"समन्वय" के आयोजन हेतु राज्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राजेंद्र सिंह, पीवटीवएम०,टीवएम०, सदस्य एवं विभाग प्रमुख, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य अभिभाषण से हुई। टेबल टॉप अभ्यास का आयोजन प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी,पी.वी.एस.एम,ए.वी. एस.एम, वी.एस.एम, (से.नि.)की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर भारत क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल डी0 जी0 मिश्र और अन्य वरिष्ठ सेना और राज्य और जिला प्रशासन के अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत .राजेंद्र सिंह, पीवटीवएम०,टीवएम०, सदस्य एवं विभाग प्रमुख, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य अभिभाषण हुई। श्री राजेंद्र सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश के 35 जनपद भूकम्प आपदा के प्रति संवेदनशील है। भूकंप एक ऐसी आपदा है जिसकी कोई प्रारंभिक चेतावनी नहीं है, परंतु हमें ऐसी परिस्थितियों के लिए अभी से तैयार रहना होगा। इस आपदा के कारण विभिन्न दुर्घटनाएं और भी होती है जैसे–अग्निदुर्घटना, कारखानों में केमिकल की घटना इत्यादि, जिनका प्रभाव भी हम सब पर पड़ता है। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी ने अपने उद्घाटन भाषण में उल्लेख किया कि टेबल टॉप अभ्यास का मुख्य उद्देश्य सभी स्टेक होल्डर को प्रदेश में भूकम्प एवं अग्नि दुर्घटना के जोखिम, संवेदनशीलता और इसके प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था, जिससे ऐसी आपदा के दौरान सभी विभाग आपसी समन्वय से प्रतिक्रिया करने में सक्षम रहें। पश्चिम उ0प्र0 सब एरिया, मेरठ कैंट में इसका आयोजन भी इसी कारण किया गया क्योंकि प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्रों के जनपद भूकम्प संवेदनशीलता के जोन–04 में आते हैं। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्य के पर्यवेक्षक भी इसमें शामिल हुए, क्योंकि इस क्षेत्र में आने वाले किसी भी भूकंप का प्रभाव सभी सीमावर्ती राज्यों पर भी पड़ता है। लेफ्टिनेंट जनरल डी0 जी0 मिश्र जनरल ऑफिसर कमांडिंग उत्तर भारत ने बताया कि भारतीय सेना किसी भी आपदा से निपटने के लिए तैयार है, उत्तर प्रदेश में किसी आपदा की घटना होने पर पूर्ण सहयोग किया जाएगा।

संक्षिप्त

मोहनलालगंज में मिले पंजे के निशान, भेड़िए की अफवाह है, डरें नहीं

लखनऊ, एजेंसी। मोहनलालगंज में निगोहां के जवाहरखेड़ा गांव में पिछले एक सप्ताह से भेड़िया आने की अफवाह से चलते ग्रामीणों में दहशत है। गांव वाले शाम होते ही अपने बच्चों समेत घरों में कैद हो जाते हैं। अपने मवेशियों को भी सुरक्षित स्थानों पर बांध देते हैं। शनिवार को निगोहां के गौसनगर में भेड़िया देखे जाने की अफवाह से दहशत और बढ़ गई है। जवाहरखेड़ा गांव में एक किसान का बछड़ा अचानक गायब हो गया। कुछ दूरी पर खून और पंजों के निशान मिले। गांव के कुछ लोगों ने इसे भेड़िया का हमला मान लिया। इसके बाद पूरे गांव में भेड़िया के आने की अफवाह फैल गई। इससे गांव वाले भयभीत हो गए। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पंजों के निशान की जांच की। जांच में पता चला कि ये निशान भेड़िया के नहीं, बल्कि कुत्ते के हैं। हालांकि, ग्रामीणों की दहशत कम नहीं हुई। वन विभाग ने गांव में निगरानी के लिए अपनी टीम तैनात कर दी। भले ही वन विभाग ने स्पष्ट कर दिया कि भेड़िया नहीं है, फिर भी ग्रामीणों की दहशत खत्म नहीं हो रही है। गांव के शंकर ने दावा किया कि उसने दो दिन पहले भेड़िया देखा था। शंकर के अनुसार, उसने भेड़िए पर डंडे से वार भी किया था। जिसके बाद से गांव वालों में भय और बढ़ गया। इसी तरह, निगोहां के गौसनगर में शनिवार की रात को किसी अज्ञात जानवर को देखने के बाद भेड़िया आने की अफवाह फैली। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो वहां मिले पंजों के निशान बिल्ली के पाए गए। कुछ गांव के बुजुर्गों ने दावा किया कि गांव में रोजाना कुछ बाहरी आराजकतत्व आकर भेड़िया की अफवाह फैलाते हैं। इससे लोग डरे हुए हैं। डिप्टी रेंजर अभिषेक चौधरी ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। वन विभाग की टीम की बातों पर विश्वास करें। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी अनहोनी की स्थिति में वन विभाग को तुरंत सूचित करें।

छात्रा से छेड़छाड़ करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के मड़ियांव इलाके में 11वीं कक्षा की छात्रा से स्कूल आते–जाते छेड़छाड़ करने वाले शोहदे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता ने खुद को शोहदे के डर से घर में कैद कर लिया था और स्कूल भी नहीं जा रही थी। मड़ियांव पुलिस ने पीड़िता के कोर्ट में बयान दर्ज कराए। वहीं दूसरी तरफ छात्रा को परेशान करने वाले जैद को मंगलवार देर शाम गिरफ्तार कर पूछताछ की। मड़ियांव इलाके में परिवार के साथ रहने वाले इलेक्ट्रिशियन ने गुरुवार को मड़ियांव थाने में शोहदे जैद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। बेटी इलाके के एक प्राइवेट स्कूल में 11वीं में पढ़ती है। जिसको गुरुवार को सुबह आठ बजे स्कूल जाते वक्त कसाई बाड़ा निवासी जैद ने अश्लीलता की थी। छात्रा उसकी हरकत से परेशान होकर घर लौट आई। खुद को कमरे में बंद कर देर तक रोती रही थी। परिजनों का कहना है कि स्कूल के लोगों ने फोन कर बेटी के स्कूल न आने की जानकारी मांगी। उन्होंने कहा कि आखिर बेटी स्कूल के गेट से आकर क्यों लौट गई। जैसा कि स्कूल के बाहर सीसीटीवी में दिख रहा है, कि वह स्कूल तक आई और बाहर से ही लौट गई। जिसके बाद बेटी से पूछताछ की। जिसमें सामने आया कि एक लड़का उसको स्कूल आते–जाते परेशान कर रहा है।

लखनऊ राजकीय आईटीआई में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 22 सितंबर 2024

लखनऊ, एजेंसी। नोडल प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज, लखनऊ ने जानकारी दी है कि सत्र 2024 के लिए जनपद लखनऊ के सभी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में विभिन्न व्यवसायों की रिक्त सीटों के सापेक्ष प्रवेश प्रक्रिया जारी है।उन्होंने बताया कि प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी, जिन्होंने पहले से ऑनलाइन आवेदन किया है, 22 सितंबर 2024 सायं 05:00 बजे तक आवेदन कर सकते हैं।

निज भाषा हिन्दी

निज भाषा में निज माता का,
दुग्धामृत – रस रहता है।
प्रति ध्वनि में प्रति शब्द–वाक्य में,
ममता–सिन्धु लहरता है।।
निज भाषा में मॉ के उर की,
मधुर भावना रहती है। शब्दों की अति गहराई में,
वत्सल–धारा बहती है।।
मॉ के उर में सुखद कल्पना–
का जो ज्वार उमड़ता है।
मातृ–कुक्षि में उसी सहारे,
शिशु–जीवन–तरु पलता है।।
वही कल्पना–ममता शिशु की–
निज भाषा बन जाती है।
जिसके द्वारा गर्भ–काल में,
मॉ शिशु से बतियाती है।।
उसी मूक ममता–भाषा से,
शिशु–तन बनता बढ़ता है।
जिसके कारण मॉ के तन में,
दूध सुधोपम बनता है।।
निज भाषा में मॉ की मीठी–
लोरी गुन–गुन करती है।
मंगल भाव भरे सोहर की,
रागिनि झंकृत रहती है।।
सुख–दुख विरह–मिलन ऑसू के,
भाव व्यक्त जो करती है।
निज भाषा वह जिसमें वाचक–
लक्ष्य व्यंग्य ध्वनि रहती है।।

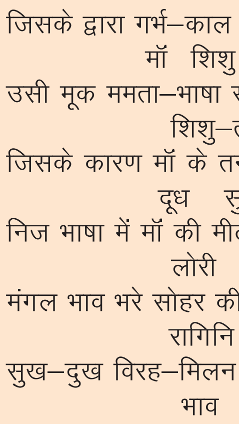

– प्रोफेसर मिथिलेश कुमार त्रिपाठी
हिन्दी विभाग
स्नातकोत्तर महाविद्यालय पट्टी, प्रतापगढ़ (उ प्र)

सम्पादकीय.......

आम सहमति बने

निस्संदेह, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग की तीसरी पारी में बदलावकारी फैसले लेना उतना सहज नहीं रह गया है, जितना पहली–दूसरी पारी में नजर आता था। तीसरे कार्यकाल के सौ दिनों के बीच सरकार के कई फैसलों पर गठबंधन धर्म की गांठें नजर आई हैं। एक दशक की स्वछंद कार्यशैली के बाद अब भाजपा सहयोगी दलों पर निर्भर नजर आ रही है। कहीं न कहीं बदले हालात में पार्टी कई मुद्दों पर यू टर्न लेते हुए भी नजर आई। बहरहाल, लोकसभा में पहले के मुकाबले कमजोर स्थिति होने के बावजूद खुद को बेफिक्र दिखाने की बेताब कोशिश में पार्टी ने एक बार फिर अपने एक मुख्य एजेंडे– एक राष्ट्र,एक चुनाव– के मुद्दे को हवा दे दी है। पिछले दिनों स्वतंत्रता दिवस समारोह में लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न राजनीतिक दलों से इस पहल का समर्थन करने के लिये एकजुट होने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि देश में वर्ष पर्यंत चलने वाले चुनाव भारत की प्रगति में बाधक बन रहे हैं। कहा गया कि राजग सरकार अपने वर्तमान कार्यकाल के भीतर इस महत्वपूर्ण चुनाव सुधार को लागू कराने को लेकर आशावादी है। अब इसे राजग का आशावाद कहें या अति आत्मविश्वास, जो उन्हें इस तथ्य को नजरअंदाज करने देता है कि कई राजनीतिक दलों ने एक साथ चुनाव कराने का विरोध किया था। निस्संदेह, एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिये भाजपा द्वारा नई पहल किए जाने के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। सर्वविदित है कि पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा जनाधार बढ़ाने के बावजूद भाजपा देश का प्रमुख राजनीतिक दल बना हुआ है। ऐसे में अगर मतदाता दो साल के बजाय पांच साल में अपने मताधिकार का प्रयोग करता है तो इसका भगवा पार्टी को सबसे ज्यादा लाभ मिल सकता है। राजनीतिक पंडित राजग सरकार की एक राष्ट्र,एक चुनाव की मुहिम के पीछे ऐसी ही सोच बताते हैं। यह भी हकीकत है कि संसदीय चुनाव और विधानसभा चुनाव में अकसर अलग–अलग मुद्दे प्रभावी होते हैं। ऐसे में एक साथ चुनाव कराये जाने पर एनडीए के साथ गठबंधन न करने वाली क्षेत्रीय पार्टियों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। निस्संदेह, लोकतंत्र में सभी राजनीतिक दलों के लिये समान अवसर उपलब्ध होना जरूरी है। यह भारतीय जनता पार्टी के हित में होगा कि वह एक राष्ट्र,एक चुनाव, के मुद्दे पर आम सहमति बनाने के लिये कड़ी मेहनत करे। साथ ही इसके व्यावहारिक पहलुओं को लेकर हितधारकों द्वारा उठाये गए संदेहों को दूर करने का प्रयास करे। निश्चिय ही यह राजग के लिये बड़ी चुनौती होगी क्योंकि इस बार विपक्ष पहले के मुकाबले मजबूत भी है और एकजुट भी है। इसमें दो राय नहीं कि यह बात तार्किक है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव का प्रयास शासन में सुनिश्चितता लाएगा। वहीं बार–बार के चुनाव खर्चीले होते हैं। दूसरे राज्य–दर–राज्य लंबी आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य भी बाधित होते हैं। साथ ही साथ शासन–प्रशासन व सुरक्षा बलों की ऊर्जा के क्षय के अलावा जनशक्ति का अनावश्यक व्यय होता है। लेकिन वहीं दूसरी ओर इसके लागू होने से भारतीय संघीय ढांचे के लिये जो चुनौती पैदा होगी, उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वैसे इस बार यदि केंद्र सरकार हरियाणा व जम्मू कश्मीर के साथ–साथ महाराष्ट्र व झारखंड में भी विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का प्रयास करती तो एक राष्ट्र,एक चुनाव के गुण–दोषों का मूल्यांकन करने में मदद मिलती। लेकिन केंद्र ने अपनी राजनीतिक सुविधा व समीकरणों के लिये ऐसी ईमानदार कोशिश नहीं की। वैसे भी भारत जैसे विविधता वाले देश में जाति, धर्म व संप्रदाय से ग्रसित सोच के बीच एक साथ चुनाव कराना खास जोखिम भरा भी है। पारदर्शी व निष्पक्ष चुनाव के लिये एक साथ चुनावी मशीनरी तथा सुरक्षा बलों की उपलब्धता के यक्ष प्रश्न भी हमारे सामने खड़े हैं। ऐसे में इसके सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आम सहमति बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

देश की बुनियाद पर प्रहार

एजेंसी

अब तक देश के प्रधानमंत्री विदेश दौरे से लौटते हुए ही प्रेस को अपनी यात्रा के बारे में बताते थे, ताकि उनके जरिए देशवासियों को पता चले कि हमारे प्रधानमंत्री ने किस देश में जाकर, क्या काम किया, जो हमारे लिए लाभकारी है।

महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलते हुए अहिंसा की नीति को अपनाना, नेहरूजी की गुटनिरपेक्ष नीति और संविधान में कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका इन तीनों के बीच स्पष्ट कार्य विभाजन और एक–दूसरे की सीमाओं का सम्मान, ये कुछ ऐसी विशिष्ट बातें हैं, जिनके कारण भारत के लोकतंत्र की दुनिया में अलग पहचान बनी। आजादी के 75 साल बाद भी भारत का लोकतंत्र मजबूत बना हुआ है और इस पर हो रहे तमाम प्रहार विफल हुए हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि भारत को बनाने वालों ने दूरदृष्टि के साथ जो विचार भारत की जड़ों में रोपे थे वो अब मजबूती से लोकतंत्र की रक्षा कर रहे हैं। लेकिन मौजूदा केंद्र सरकार भारत की इस खासियत को चोट पहुंचाने में लगी है। बीते दिनों ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के घर गणपति पूजा में पहुंचे। विधायिका और कार्यपालिका से न्यायपालिका की एक सम्मानजनक दूरी होना चाहिए, लेकिन यहां वो दूरी मिटती दिखी। श्री मोदी के शासनकाल में देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को राज्यसभा का सदस्य बनाया गया, पूर्व राष्ट्रपति को एक देश, एक चुनाव समिति का मुखिया बनाया गया। अब मुख्य न्यायाधीश के घर की निजी पूजा में प्रधानमंत्री के पहुंचने से कई किस्म के सवाल खड़े हुए, लेकिन भाजपा को इसमें कुछ गलत नजर नहीं आ रहा। भाजपा को शायद इस बात में भी कोई आपत्ति नहीं है कि देश के राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार अजित डोभाल रूस के राष्ट्रपति के सामने बैठकर उन्हें श्री मोदी के यूक्रेन दौरे की जानकारी दे रहे हैं। अब तक देश के प्रधानमंत्री विदेश दौरे से लौटते हुए ही प्रेस को अपनी यात्रा के बारे में बताते थे, ताकि उनके जरिए देशवासियों को पता चले कि हमारे प्रधानमंत्री ने किस देश में जाकर, क्या काम किया, जो हमारे लिए लाभकारी है। इसके बाद देश लौटने पर प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को अपनी यात्रा का ब्यौरा देते थे। लेकिन दूसरे देश के राष्ट्रपति को इस तरह जानकारी देने का अर्थ क्या यह है कि भारत ने अपनी गुटनिरपेक्ष नीति और स्वतंत्र विदेश नीति को छोड़ दिया है। क्या अब भारत की संप्रभुता को इस तरह दांव पर लगाया जाएगा। श्री मोदी को अब यह भी स्पष्ट कर देना चाहिए कि यूक्रेन जाने से पहले क्या उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन की अनुमति भी ली थी। अगर यूक्रेन जाने का फैसला श्री मोदी ने संप्रभु राष्ट्र का मुखिया होने के नाते लिया था, तो अब कौन सी मजबूरी में उन्हें एनएसए को रूस भेजकर सफाई देनी पड़ी।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह भी बताना चाहिए कि विदेश मामलों में या दूसरे देशों पर कार्रवाई का फैसला अब उनके विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री, केबिनेट इन सबकी सलाह से हो रहा है या भाजपा का कोई भी नेता इसके लिए बयान देने को अधिकृत है। क्योंकि त्रिपुरा में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने कहा है कि केवल श्मुरलीश से काम नहीं चलेगा, बल्कि सुरक्षा के लिए श्सुदर्शनश भी आवश्यक है। इस बात का ध्यान रखना है कि विधर्मियों को अवसर नहीं देना है। बांग्लादेश जैसे स्थिति की पुनरावृत्ति यहां न होने पाए, इसके लिए ऐसी शक्तियों को हमें समाप्त करना है। हमें देश और धर्म को सुरक्षित रखना है। पाकिस्तान को मानवता का कैंसर और दुनिया का नासूर बताते हुए श्री योगी ने कहा जब तक पाकिस्तान का ऑपरेशन नहीं होगा, तब तक इलाज संभव नहीं है। पाकिस्तान का उपचार शुरू हो चुका है। अब पाक अधिकृत कश्मीर के लोग भारत में शामिल होना चाहते हैं। बलूचिस्तान भी पाकिस्तान से अलग होना चाहता है। क्या मोदी सरकार यह बता पाएगी कि उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री पीओके और बलूचिस्तान को लेकर जो दावे कर रहे हैं, उनकी सच्चाई क्या है और पाकिस्तान का उपचार करने का मतलब क्या है। क्या भारत ने शांति की नीति को नकार दिया है। मुरली के साथ सुदर्शन की बात करके आदित्यनाथ योगी ने सीधे तौर पर हिंसक विचारों का समर्थन किया है और ऐसे विचार केवल पाकिस्तान के लिए ही प्रकट नहीं हो रहे हैं। देश में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को दी जा रही धमकियां बता रही हैं कि विपक्ष के नेताओं के साथ हिंसा के लिए उकसाया जा रहा है। महाराष्ट्र में शिवसेना शिंदे गुट के विधायक संजय गायकवाड़ ने ऐलान किया है कि राहुल गांधी की श्जीभ काटने वालेश को 11 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। श्री गायकवाड़ ने राहुल गांधी के अमेरिका में आरक्षण पर दिए बयान के बाद यह ऐलान किया है। उन्हें आपत्ति है कि श्री गांधी ने आरक्षण खत्म करने की बात कही, हालांकि यह सरासर झूठी बात है, क्योंकि राहुल गांधी ने आरक्षण खत्म करने से साफ इंकार किया है। लेकिन उनकी चर्चा के वीडियो के एक अंश को ही गलत तरीके से फैलाया गया है। संजय गायकवाड़ साफ तौर पर फेक न्यूज का शिकार बने हैं, लेकिन उससे भी बढ़कर वे हिंसक विचारों से ग्रसित दिखाई दे रहे हैं, तभी उन्होंने बर्बर सोच को प्रदर्शित किया है। राहुल गांधी के विचारों से विरोध होने पर उसका तार्किक जवाब दिया जा सकता है, लेकिन हिंसात्मक तरीके से बदले का विचार जाहिर करता है कि बीते 10–11 बरसों में देश में नफरत और हिंसा लोगों में कूट–कूट कर भरी गई है। इससे पहले भाजपा के पूर्व विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने राहुल गांधी का हश्र उनकी दादी की तरह होने की बात कही थी और भाजपा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने तो राहुल गांधी को नंबर एक आतंकी ही कह दिया। अलग–अलग वक्त और स्थानों पर हुई ये तमाम घटनाएं साबित कर रही हैं कि न्याय, शांति, अहिंसा जैसे सद्विचारों के साथ बनाए गए भारत पर राजनैतिक विरोध के नाम पर प्रहार किए जा रहे हैं, जो असल में उसकी बुनियाद को उखाड़ने की कोशिश है। जनता पर अब यह जिम्मेदारी है कि वह ऐसे प्रहारों का विरोध करे और संवैधानिक मूल्यों और आदर्शों की रक्षा करे।

केजरीवाल का दांव: अग्निपरीक्षा या गुगली

राजेंद्र शर्मा

सुप्रीम कोर्ट से जमानत पर रिहाई के बाद, आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपने पहले संबोधन में ही, अरविंद केजरीवाल ने उन्हें झंझोड़कर रख देने वाला एलान कर दिया। केजरीवाल ने कहा कि वह दो दिन में मुख्यमंत्री का पद छोड़ देंगे। और उसके बाद मुख्यमंत्री का पद तभी स्वीकार करेंगे, जब जनता उनके ईमानदार होने पर अपने अनुमोदन की मोहर लगा देगी। सुप्रीम कोर्ट ने तो जमानत देकर उनके ईमानदार होने पर कानूनी मोहर लगा दी है, लेकिन उन्हें लगता है कि इतना काफी नहीं है। अब वह जनता के सामने अग्निपरीक्षा देंगे और मुख्यमंत्री पद तभी स्वीकार करेंगे, जब जनता उनके ईमानदार होने पर अपने वोट से मोहर लगाएगी। और अपनी इस त्याग मुद्रा का दायरा बढ़ाकर, इसे आम आदमी पार्टी की ही त्याग की मुद्रा बनाते हुए, केजरीवाल ने अपने इस्तीफे के फैसले के एलान में एक पेच और डाल दिया। उन्होंने एलान किया कि उन्हीं की तरह, व्यापक रूप से सरकार में नंबर–2 माने जाने वाले, उप–मुख्यमंत्री तथा शिक्षा मंत्री, मनीष सिसोदिया भी इस अग्निपरीक्षा की चुनौती स्वीकार करेंगे और जनता के ईमानदार घोषित करने के बाद ही, उप–मुख्यमंत्री तथा शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी संभालेंगे। पुनः इसी प्रसंग को और आगे बढ़ाते हुए, एक और पेच जोड़ते हुए केजरीवाल ने यह मांग भी पेश कर दी कि दिल्ली के विधानसभा चुनाव, जो अगली फरवरी में होने हैं, आगे खिसका कर नवंबर में होने वाले महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के साथ करा दिए जाएं, ताकि केजरीवाल की अग्निपरीक्षा जल्दी हो जाए। कहने की जरूरत नहीं है कि दिल्ली की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा, केजरीवाल की इस गुगली से हतप्रभ रह गयी है। भाजपा के नेता, जो अब तक जेल में रहने के आधार पर केजरीवाल का इस्तीफा मांगते आ रहे थे, अचानक उनके इस्तीफे का एलान करने से समझ नहीं पा रहे हैं कि इसे अपनी कामयाबी मानें या अपनी परेशानी। यह कहने के सिवा कि केजरीवाल ने पहले ही इस्तीफा क्यों नहीं दिया, वे ज्यादा कुछ कह नहीं पा रहे हैं। हां! आखिरकार काफी कसरत के बाद उन्होंने यह नयी मांग जरूर निकाली है कि केजरीवाल और सिसोदिया ही नहीं, पूरे मंत्रिमंडल को इस्तीफा देना चाहिए! बहरहाल, मुख्य विपक्षी पार्टी की प्रतिक्रियाओं से समझना मुश्किल नहीं है कि वह समझ ही नहीं पा रही है कि इस नयी स्थिति से कैसे निपटा जाए। जाहिर है कि चुनाव जल्दी कराने की आम आदमी पार्टी की मांग ने भाजपा को और भी चक्कर में डाल दिया है। उसकी चुनाव जल्दी कराने में शायद ही कोई दिलचस्पी होगी, लेकिन चुनाव जल्दी कराए जाने का विरोध वह पार्टी कैसे कर सकती है, जो इसके दावे करती नहीं थकती है कि दिल्ली की जनता केजरीवाल की पार्टी से विश्वास उठ चुका है। बहरहाल, चुनाव जल्दी कराने के मुद्दे पर भाजपा, अपने हितों की रक्षा के लिए चुनाव आयोग पर भरोसा कर सकती है, जो वैसे भी केजरीवाल मनमुताबिक फैसला क्यों लेना चाहेगा? भाजपा के लिए इस मामले पर चुप लगाना ही काफी होगा। वैसे केजरीवाल ने भी विधानसभा भंग करने की सिफारिश नहीं करने और मंत्रिमंडल से जल्दी चुनाव कराए जाने का प्रस्ताव पारित नहीं कराने के जरिए, इसका इशारा कर दिया है कि वह भी जल्दी चुनाव की आम मांग को प्रचार के स्तर पर ही रखने जा रहे हैं, उससे आगे नहीं बढ़ाने जा रहे हैं। अग्निपरीक्षा के जरिए अपना श्सतश्साबित करने का केजरीवाल का फैसला, एक राजनीतिक मास्टर स्ट्रोक साबित होता है या नहीं, इसका फैसला तो सबसे बढ़कर दिल्ली के चुनाव में होगा। लेकिन, केजरीवाल की गुगली ने भाजपा के लिए उसके खिलाफ अपने प्रचार की बैटिंग में रन बनाना, बहुत मुश्किल बना दिया है। दिल्ली शराब घोटाले के पूरे केस में कोई सचाई होने या नहीं होने से अलग, इससे इंकार करना मुश्किल है कि इस केस में एक के बाद एक, आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं की गिरफ्तारी तथा लंबे अर्से तक उन्हें जेल में बंद रखे जाने का, आम तौर पर इस पार्टी की छवि पर और खासतौर पर उसकी भ्रष्टड्ढाचार–विरोधी योद्घा की छवि पर, कुछ न कुछ असर जरूर पड़ा है। याद रहे कि यही छवि, मध्यवर्ग के बीच आप पार्टी के समर्थन का मुख्य आधार है। इसके साथ, दस साल से अधिक के शासन से पैदा हुईं लोगों की निराशाएं जुड़कर, आप पार्टी के चेहरे पर बदहवासी की न सही, चिंता की रेखाएं लाती ही थीं। केजरीवाल ने इस दांव से एक ही झटके में, इसी गिरावट को थामने की कोशिश की है। कहने की जरूरत नहीं है कि आम तौर पर आम चुनाव के और खासतौर दिल्ली की सात सीटों पर चुनाव के नतीजों से, आम आदमी पार्टी ने निश्चित रूप से सबक लिया होगा। उसने खासतौर पर इस तथ्य से सबक तो जरूर लिया होगा कि इन सीटों पर भाजपा के मत फीसद में पिछले आम चुनाव की तुलना में कमी के बावजूद और कांग्रेस तथा आप पार्टी के बीच पूर्ण चुनावी समझौता होने और अरविंद केजरीवाल के विशेष जमानत पर प्रचार के लिए छूटकर, चुनाव प्रचार करने के बावजूद, भाजपा सभी सात सीटों पर जीत दर्ज कराने में कामयाब रही। इससे साफ था कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा आप सरकार के रास्ते में बाधाएं खड़ी किए जाने से लेकर, आप नेताओं के साथ उसके अत्याचार तक की सारी शिकायतें भी, दिल्ली के मतदाताओं को पर्याप्त रूप से प्रभावित नहीं कर पा रही थीं। इस अपर्याप्तता ने ही केजरीवाल को इस्तीफे की गुगली फेंकने के लिए प्रेरित किया लगता है, ताकि केंद्र में सत्ता में बैठी भाजपा के खिलाफ अपनी आलोचनाओं को और तीखी धार दे सके। केजरीवाल की इस्तीफे की गुगली के पीछे एक और भी कारण है। दिल्ली में, जहां उप–राज्यपाल के जरिए, केंद्र सरकार ने निर्वाचित सरकार के हाथ–पांव पहले ही बहुत ज्यादा बांध दिए हैं, केजरीवाल की जमानत पर रिहाई के साथ लगायी गयीं राज्य सचिवालय नहीं जाने से लेकर किसी फाइल पर दस्तखत नहीं करने तक की शर्तें, व्यवहार में उनके लिए मुख्यमंत्री के रूप में काम करना ही बहुत कठिन बना देती थीं। ऐसे में चुनाव से चंद महीने पहले, लगातार उप–राज्यपाल से खींचतान में फंसी सरकार चलाने में उलझे रहने के मुकाबले में, केजरीवाल को यही ज्यादा फायदे का सौदा लगा होगा कि मुख्यमंत्री के पद पर अपने किसी ऐसे उत्तराधिकारी को बैठा दिया जाए, जिसके काम करने पर उतने बंधन नहीं होंगे और इसलिए चुनाव से पहले, दिल्लीवासियों के लिए हित के कुछ काम हो रहे होंगे। और खुद वह स्वतंत्रता के साथ जनता के बीच जाकर, भाजपा के विरुद्घ अभियान चलाने की स्थिति में होंगे। फिर भी, केजरीवाल के लिए यह गुगली फेकना भी कोई आसान नहीं था। सबसे बड़ी बात यह है कि आम आदमी पार्टी जिस तरह की चंद नेताओं पर ही केंद्रित पार्टी है, जिसके केंद्र में केजरीवाल हैं और जिसका वैचारिक आधार ज्यादा मजबूत नहीं है, संघ–भाजपा के बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक अभियान के सामने खासतौर पर वेध्य है। इस सब को देखते हुए चाहे अस्थायी रूप से ही हो, मुख्यमंत्री के पद के लिए अरविंद केजरीवाल के उत्तराधिकारी का चुनाव आसान नहीं है। भाजपा जिस तरह से साम–दाम–दंड–भेद, सभी हथियार लेकर, आप पार्टी तथा उसकी सरकार को कमजोर करने के लिए मौके की ताक में तैयार बैठी हुई है, उसके सामने तो यह और भी कठिन हो जाता है।झारखंड का उदाहरण सामने है। पहले गिरफ्तारी के जरिए, हेमंत सोरेन की सरकार को गिराने की कोशिश की गयी। जब यह कोशिश नाकाम रही और मुख्यमंत्री के पद पर हेमंत सोरेन वापस भी आ गए, तो उनकी जेलयात्रा के दौरान एवजीदार मुख्यमंत्री बनाए गए चंपई सोरेन को भाजपा ने तोड़ लिया। उनके सहारे एक अलग आदिवासी पार्टी खड़ी करने की कोशिश भी जब सिरे नहीं चढ़ी तो, उन्हें भाजपा में शामिल कर लिया गया। और अब खुद प्रधानमंत्री झारखंड में अपने चुनाव की घोषणा से पहले के चुनाव प्रचार में, भाजपा में नये–नये भर्ती किए गए चंपई सोरेन तथा सीता सोरेन के नाम का, झारखंड मुक्ति मोर्चा पर हमले के लिए इस्तेमाल करते देखे जा सकते हैं। अब जबकि केजरीवाल, जनमत की अग्निपरीक्षा में खरा उतरने के बाद, फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के हिसाब से चल रहे हैं, वह निश्चय ही झारखंड के घटनाक्रम की दिल्ली में पुनरावृत्ति नहीं चाहेंगे।

जम्मू–कश्मीरः भाजपा की नीतियों और समझौतों पर संशय

प्रदीप मिश्र

नए जम्मू–कश्मीर में दस साल बाद विधानसभा की 90 सीटों पर चुनावी गतिविधियां चरम पर हैं। अपनों की सरकार बनाने के लिए जम्मू के प्रवेश द्वार लखनपुर से कश्मीर के कंगन तक का अवाम उत्साहित है। नई सरकार में सुरक्षा, स्थिरता, समान विकास और समरसता ज्यादातर मतदाताओं का सपना है। सियासी दल इससे दबाव में हैं। सोच को साकार करने और सरोकार पूरा करने के लिए समीकरण साधे जा रहे हैं। सीमाएं समझते हुए संभावनाओं के हिसाब से कई खुले और गुप्त समझौते हो चुके हैं। एक ही विचारधारा के संगठनों में सहमति बन रही है। बावजूद इसके घोषित–अघोषित गठबंधन अपने–अपने हित में बहुमत की सरकार चाहते हैं। फिर भी नई सरकार के स्वरूप, केंद्र से समन्वय, संतुलन, स्थिरता और स्थानीय स्तर की स्वायत्तता को लेकर संशय हैं। संकल्पों, गारंटियों और घोषणाओं को पूरा करने के लिए सीमित संसाधन जहां सावधान करते हुए आने वाले दौर की समस्याओं का इशारा कर रहे हैं, वहीं पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाने से समाप्त पूर्ण राज्य के दर्जे की वापसी के केंद्र सरकार के आश्वासन पर क्रियान्वयन के सही समय का सवाल भी सहज और स्वाभाविक है। भाजपा ने संकल्प के रूप में 25 सरोकार बताए हैं। इनमें पांच लाख नौकरियां, विद्यार्थियों को लैपटॉप, यात्रा के लिए तीन हजार रुपये और कोचिंग के लिए 10 हजार रुपये देने के अलावा मेडिकल कॉलेजों में एक हजार सीटें बढ़ाने का मंतव्य बेरोजगारी की समस्या पर ध्यान खींचता है। साथ ही मुफ्त पानी और बिजली के अलावा गरीबों को पांच मरला (125 गज) जमीन मुफ्त देने के अलावा किसानों को 10 हजार रुपये देने का वादा भी लुभावना है। वादों की आड़ में बड़े–बड़े दावे भी किए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर (पीओजेके) पर दावा मजबूत किया गया है। यहां भुलाने की कोशिश की गई कि 22 फरवरी, 1994 को पीवी नरसिंह राव की सरकार में संसद में पीओके को भारत का अभिन्न अंग बनाने का सर्वसम्मत संकल्प पारित किया गया था, जिसे 30 साल हो चुके हैं। इसी क्रम में जम्मू से कश्मीर का सफर 14 घंटे से चार घंटे में बताया जा रहा है। तथ्य यह कि सड़क मार्ग से जम्मू से श्रीनगर पहुंचने में पहले आठ घंटे लगते थे। अब यह यात्रा लगभग पांच घंटे में पूरी हो रही है। इंडिया गठबंधन के घटक नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का चुनाव पूर्व गठबंधन है। दोनों के क्रमशरू 51 और 32 उम्मीदवार मैदान में हैं। नेकां के घोषणापत्र में अनुच्छेद 370 और 35 की बहाली के साथ पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कराने समेत 12 गारंटियां हैं। राजनीतिक कैदियों की रिहाई, जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) निरस्त करने, छह महीन में एक लाख नौकरियां देने और भारत–पाकिस्तान के बीच बातचीत की पहल करने की बात कही गई है। महत्वपूर्ण बात यह भी कि यदि केंद्र सरकार ने जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया तो सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। जानना जरूरी है कि अनुच्छेद 370 हटाने से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने भी राज्य का दर्जा छीनने पर सवाल उठाए थे। शीर्ष अदालत ने ही 30 सितंबर तक चुनाव कराने का निर्देश दिया था। कांग्रेस की गारंटियों में पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाना तो है ही, एक लाख खाली सरकारी पद भरने, हर नागरिक का 25 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा के अलावा कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की योजना को आगे बढ़ाने का वादा है। 2014 के बाद भाजपा के साथ सरकार बना चुकी पीडीपी ने 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, पानी पर टैक्स खत्म करने, गरीबों को रसोई गैस के 12 सिलेंडर देने की घोषणा की है। जाहिर है कि नई सरकारों के लिए अपने वादों को अमली जामा पहनाने के लिए बड़ी धनराशि की जरूरत होगी। केंद्र शासित प्रदेश के संसाधान सीमित हैं। जम्मू–कश्मीर में आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के सरकार के दावे के उलट यहां देनदारियां बढ़ी हैं। संसद द्वारा स्वीकृत 2024–2025 के बजट में बताया गया है कि केंद्र शासित प्रदेश की देनदारियां 2019–2020 में 83,573 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022–23 में 1,12,797 करोड़ रुपये हो गई हैं। 2020–2021 में देनदारियां 92,953 करोड़ रुपये थीं, जो 2021–2022 में 1,01,462 करोड़ रुपये और 2022–2023 में 1,12,797 करोड़ रुपये तक पहुंच गईं। हालांकि जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा प्रदेश के कर्ज मुक्त होने का दावा कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि कर्ज और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के बीच उचित अनुपात बना हुआ है। दूसरी ओर जानकार मानते हैं कि नई सरकार बनने के बाद होने वाले खर्च से सरकारी खजाने पर अचानक बोझ बढ़ेगा और आमदनी के साधन इसी तरह से नहीं बढ़ाए जा सकेंगे, क्योंकि लोकप्रियता के लिए सरकारें कर्ज लेने से परहेज नहीं करतीं हैं। नई सरकार के स्वरूप के राजनीतिक के अलावा सांविधानिक कारण भी हैं। जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन कानून के अनुसार विधानसभा की 90 सीटों पर सीधा चुनाव होगा। पांच विधायकों का मनोनयन उपराज्यपाल करेंगे। दो सीटें कश्मीरी विस्थापितों और एक सीट पीओजेके विस्थापित के लिए आरक्षित है। कश्मीरी विस्थापितों में एक सीट महिला के लिए आरक्षित रहेगी। इसके अतिरिक्त सदन में उचित प्रतिनिधित्व नहीं होने पर दो और सीटों पर महिलाओं को मनोनीत किया जाएगा। मुख्य संशय दिल्ली और पुडुचेरी मॉडल को लेकर है। दिल्ली में विधानसभा की 70 सीटें हैं। मनोनयन नहीं होता। पुडुचेरी में 30 सीटों पर चुनाव जबकि तीन सदस्य मनोनीत होते हैं। केंद्र शासित प्रदेशों में प्रशासन का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 239 में है। 239ए के अनुसार विधानमंडल सर्वोच्च है। सदन उपराज्यपाल से ऊपर है। हालांकि मद्रास उच्च न्यायालय व्यवस्था दे चुका है कि एलजी सदन में पारित विधेयकों को रोक सकते हैं। दिल्ली में 239एए के प्रावधान लागू होते हैं। दोनों केंद्र शासित प्रदेशों में सरकार के लिए वित्तीय मामलों, टैक्स लगाने, छूट देने, बदलने बगैरह में उपराज्यपाल की सहमति आवश्यक होती है।

हिना खान

सालों बाद दुल्हन के रूप में सजी, तस्वीरें की शेयर

> हिना इंस्टाग्राम पर ब्लैक लॉन्ग स्लीव टी-शर्ट और ऑलिव ग्रीन स्कर्ट पहने हुए दिखाई दी। उन्होंने अपने लुक को विग, सनग्लास और ब्लैक हील्स से कंप्लीट किया। सैयां की बंदूक को जानी, रेणुका पवार और सोनू ठुकराल ने गाया है। यह गाना नवाजुद्दीन सिद्दीकी और प्रांजल दहिया पर फिल्माया गया है।

अभिनेत्री हिना खान ने अपने दिवंगत पिता के शब्दों को याद किया और कहा कि वह एक फैशन शो के ग्रैंड फिनाले के लिए सालों बाद दुल्हन की तरह तैयार हुई हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह लाल रंग का लहंगा और गहने पहने हुए हैं। कैप्शन में उन्होंने लिखारू मेरे पिता हमेशा कहा करते थे, हे ये डैडी की एक मजबूत लड़की है। रोने वाला बच्चा मत बनो, अपनी समस्याओं के बारे में कभी शिकायत मत करो, अपने जीवन पर नियंत्रण रखो। डटे रहो और इससे निपटो। इसलिए मैंने परिणाम के बारे में चिंता करना बंद कर दिया, बस उस पर ध्यान केंद्रित किया जो मेरे नियंत्रण में है। बाकी अल्लाह पर छोड़ दिया। वह आपके प्रयासों को देखता है, वह आपकी प्रार्थनाएं सुनता है और वह आपके दिल को जानता है। यह आसान नहीं था, लेकिन मैं खुद से कहती रही, आगे बढ़ती रहो हिना, कभी रुकना मत। बहुत दिनों बाद दुल्हन की तरह सजी हूं, वैसे मैं कैसी लग रही हूं? स्टेज थ्री स्तन कैंसर के लिए कीमोथेरेपी से गुजर रही अभिनेत्री ने सोनू ठुकराल के गीत सईयां की बंदूक पर डांस करते हुए एक वीडियो साझा किया। हिना इंस्टाग्राम पर ब्लैक लॉन्ग स्लीव टी-शर्ट और ऑलिव ग्रीन स्कर्ट पहने हुए दिखाई दी। उन्होंने अपने लुक को विग, सनग्लास और ब्लैक हील्स से कंप्लीट किया। सैयां की बंदूक को जानी, रेणुका पवार और सोनू ठुकराल ने गाया है। यह गाना नवाजुद्दीन सिद्दीकी और प्रांजल दहिया पर फिल्माया गया है। अरविंदर एस खैरा द्वारा निर्देशित इस गाने में प्यार, बदला और ड्रामा का अद्भुत संगम दिखता है। कैप्शन में हिना ने लिखा, मेरे सबसे प्यारे सोनू ठुकराल के लिए...जाओ जल्दी से रील बनाओ सब लोग। इस बीच, 11 सितंबर को हिना ने अपने स्वास्थ्य के बारे में एक अपडेट साझा किया था, जिसमें खुलासा किया गया था कि उनका म्यूकोसाइटिस काफी बेहतर है, और प्रशंसकों को उन्होंने ढेर सारा प्यार भेजने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, यह आप में से प्रत्येक के लिए है। मेरा म्यूकोसाइटिस बहुत बेहतर है। मैंने आपकी सभी टिप्पणियां और सुझाव पढ़े हैं। आप सभी ने बहुत बड़ी मदद की है। आप सभी को ढेर सारा प्यार भेज रही हूं।

चेतना की तलाश कर रहे हैं फिल्मकार शेखर कपूर

बैंडिट क्वीन, एलिजाबेथ, मासूम जैसी फिल्मों के लिए मशहूर फिल्मकार शेखर कपूर अपनी चेतना की अवधारणा और इसके महत्व पर विचार कर रहे हैं। सोमवार को फिल्म निर्माता ने इंस्टाग्राम पर एक नोट साझा किया। नोट में उन्होंने "ज्ञान" के बारे में बात की और आश्चर्यचकित होकर बताया कि चेतना किस स्तर पर काम करती है और इसकी सीमाएं क्या हैं। उन्होंने लिखा, चेतना क्या है? मैंने बुद्धि से पूछा। यह एक ऐसा शब्द है, जिसे कोई कवि सुझा सकता है, लेकिन वह अस्तित्व में नहीं है। यह एक ऐसा स्वर है, जिसे सहानुभूति अभिव्यक्त तो कर सकती है, लेकिन बजा नहीं सकती। ज्ञान के साथ अपनी बातचीत के अंत में निर्देशक को यह समझ में आ गया कि चेतना अनंत काल जितनी विशाल है और मानव मन के लिए पूरी तरह से समझ से परे है। उन्होंने कहा, यह ऐसा सवाल है, जो आपके अहंकार के दिमाग में आता है, लेकिन इसका कोई जवाब नहीं है। सागर में एक बूंद की तरह, शेखर, आप पूछ रहे हैं कि अनंत काल का सागर क्या है? इससे पहले शेखर ने राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के स्तर पर अपनी चिंता जताई थी। बुधवार को फिल्म निर्माता ने अपने इंस्टाग्राम पर दिल्ली के शहर की धुंधली तस्वीर शेयर की, जो धुंध में लिपटी हुई थी। उन्होंने कैप्शन में एक लंबा नोट लिखा, जिसमें बताया कि समय कितना बदल गया है। उन्होंने लिखा, हां, यह प्रदूषित है। हां, यह वह दिल्ली नहीं है, जो 50 साल पहले थी, जब मैं रात में अपने घर की छत पर लेटता था और रात के आसमान को और अक्सर आकाशगंगा को देख सकता था। रात के आसमान के बारे में आश्चर्यचकित होकर जब मैंने अपनी मां से पूछा श्अंतरिक्ष कितनी दूर तक जाता है? हमेशा के लिए .. मेरे बेटे .. हमेशा के लिएश, वे शब्द। हां, प्रदूषण रहित दिल्ली में हमारे घर की छत, जिसने इच्छा पैदा की, नहीं, इच्छा नहीं बल्कि कहानियां बताने की जरूरत। उन्होंने बताया, क्योंकि इसकी कोई परिभाषा नहीं है, भौतिकी में कुछ भी नहीं है, हमारी कल्पना में कुछ भी नहीं है, जो कहानी सुनाने के अलावा हमेशा के लिए को परिभाषित कर सके। और इसलिए एक बच्चे के रूप में, अंतरिक्ष की हमेशा के लिए से अभिभूत होकर मैंने खुद से ये जादुई शब्द कहे, एक बार की बात है, और तब से मैं उन शब्दों को खुद से बार-बार दोहराता रहा हूं, क्योंकि कहानी सुनाना ही हमारा अस्तित्व है। यह सब दिल्ली में छत पर मेरी चारपाई पर पड़े-पड़े शुरू हुआ। मैं दिल्ली को कैसे भूल सकता हूं?

अक्षय कुमार ने 'हेरा फेरी 3' बनाने के लिए की रिक्वेस्ट, डायरेक्टर ने रखी ये शर्त

बॉलीवुड के कॉमेडी एक्टर अक्षय कुमार ने अपने करियर की शुरुआत में कई कॉमेडी फिल्में की हैं, जिन्होंने न सिर्फ अच्छा कलेक्शन किया बल्कि उनका स्टारडम भी बढ़ाया। फिल्म 'हेरी फेरी' फ्रेंचाइजी की बात करें तो इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल ने अपनी बेहतरीन एक्टिंग के जरिए लोगों का खूब मनोरंजन किया। इस फिल्म का तीसरा पार्ट बनाने के लिए डायरेक्टर राज शांडिल्य से संपर्क किया गया था। हालांकि, उन्होंने एक शर्त के साथ फिलहाल इस फिल्म को बनाने से मना कर दिया है। फिल्म 'हेरा फेरी' बॉलीवुड की एक बहुत ही मशहूर फिल्म फ्रेंचाइजी है। इस फिल्म का पहला पार्ट साल 2000 में आया था और 2006 में मेकर्स इसका दूसरा पार्ट 'फिर हेरा फेरी' लेकर आए। तब से ही फैंस तीसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं। पिछले कुछ सालों से चर्चा है कि मेकर्स 'हेरा फेरी 3' की प्लानिंग कर रहे हैं। हाल ही में डायरेक्टर राज शांडिल्य ने इस फिल्म के बारे में बात की है। राज शांडिल्य का कहना है कि उन्हें तीसरे पार्ट को निर्देशित करने के लिए संपर्क किया गया था, लेकिन उन्होंने फिलहाल इस फिल्म को बनाने से इनकार कर दिया है। बॉलीवुड हंगामा से बात करते हुए राज ने कहा, "निर्माताओं ने मुझे 'हेरी फेरी 3' के लिए बुलाया था, लेकिन मुझे कहानी समझ नहीं आई। मैंने सोचा कि अगर हमने पार्ट 3 के लिए इतने साल इंतजार किया है, तो हम कुछ और साल इंतजार कर सकते हैं।" राज ने आगे कहा, "उसके बाद अक्षय कुमार सर, परेश रावल सर और सुनील शेट्टी ने भी मुझे फोन किया और फिल्म का निर्देशन करने के लिए कहा। मैंने उनसे कहा- यह 'हेरा फेरी 3' है जब तक हमें बढ़िया कॉन्सेप्ट और स्क्रिप्ट नहीं मिल जाती, मैं इस फिल्म को हाथ नहीं लगाऊंगा।" यानि राज ने फिलहाल निर्देशन करने से मना कर दिया है और मेकर्स के सामने शर्त रखी है कि कुछ बढ़िया आइडिया मिलने के बाद ही वह यह फिल्म बनाएंगे। राज ने कहा कि उन्हें लगता है कि अभी फिल्म अटकी हुई है, लेकिन अगर सब कुछ ठीक रहा तो वह यह फिल्म बनाना चाहेंगे। उन्होंने बताया, "मैं अक्षय सर के साथ काम करना चाहता हूं। वह मुझसे कहते रहते हैं 'मेरे साथ एक फिल्म करो।' हालांकि, मुझे लगता है कि जब हमें कोई ऐसा आइडिया मिलेगा जो उन्होंने पहले नहीं किया है और मैंने भी नहीं किया है, तो मैं वह फिल्म जरूर करूंगा।" पिंकविला से इस बारे में बात करते हुए राज ने यह जानकारी भी साझा की कि वह अक्षय कुमार के लिए एक सब्जेक्ट पर काम कर रहे हैं और वह जल्द ही उन्हें यह सुनाने वाले हैं। यह स्क्रिप्ट 'हेरी फेरी' फ्रेंचाइजी से मिलती जुलती है।

पति निक जोनास के बर्थडे पर प्रियंका चोपड़ा ने लुटाया प्यार, शेयर किया स्पेशल बर्थडे पोस्ट

बॉलीवुड और हॉलीवुड की क्वीन प्रियंका चोपड़ा हमेशा इंटरनेट पर छाई रहती हैं. चाहे बात प्रियंका चोपड़ा की हो या कपल की बेटी मालती मैरी की. प्रियंका चोपड़ां हमेशा अपनी बुद्धिमानी और ग्लैमर से लाइम-लाइट चुरा लेती हैं. इस बार भी ऐसा हुआ है जब एक्ट्रेस ने अपने इंटरनेशनल स्टार पति निक जोनास को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं. सोशल मीडिया के जरिए प्रियंका चोपड़ा ने निक जोनास को बड़े दिलचस्प अंदाज में बर्थडे विश किया है. एक्ट्रेस ने एक प्यार भरे कैप्शन के साथ फोटो साझा की हैं. प्रियंका चोपड़ां फिलहाल निक जोनास का जन्मदिन मनाने के लिए उनके साथ लंदन में हैं. प्रियंका हाल ही में अपनी बेटी मालती मैरी के साथ निक के कॉन्सर्ट में शामिल हुई थीं. एक्ट्रेस इस कॉन्सर्ट की इनसाइड फोटोज साझा की हैं. पीसी ने निक जोनास को जन्मदिन की सबसे प्यारी शुभकामनाएं दी हैं. कैप्शन में प्रियंका चोपड़ा ने निक के लिए लिखा, "सबसे अच्छा पति और पिता" आप हमारे सभी सपनों को साकार करते हैं, हर दिन, हम आपसे प्यार करते हैं" साथ ही मां-बेटी दोनों ने साथ में निक के लंदन कॉन्सर्ट का लुत्फ उठाया.प्रियंका चोपड़ा ने निक जोनास के ओ2 एरिना लंदन कॉन्सर्ट की कुछ झलकियां शेयर की हैं. पहली तस्वीर में, प्रियंका और निक अपनी बेटी, मालती मैरी के साथ पोज दे रहे हैं. ऑरेंज बॉडीकॉन ड्रेस में देसी गर्ल कमाल की खूबसूरत लग रही हैं. निक ने व्हाइट ग्राफिक टी के साथ नीले रंग की जैकेट और ट्राउजर पहना हुआ है. बेटी मालती मैरी मॉम-डैड के बीच सिर छुपा रही है. फोटोज में निक जोनास भीड़ के बीच मंच पर लाइव परफॉर्म करते हुए दिखाई दे रहे हैं. तीसरी वीडियो में पीसी अपनी बेटी मालती को गोद में उठाए कॉन्सर्ट में जाती नजर आ रही हैं. बता दें कि निक जोनास और जोनास ब्रदर्स अपने पांच एल्बमों का जश्न मनाने के लिए वर्ल्ड टूर पर हैं।

बिग बॉस 18 में होगा टाइम का तांडव! निया शर्मा, धीरज धूपर, शोएब इब्राहिम होंगे सलमान खान के शो का हिस्सा

रियलिटी शो बिग बॉस अपने 18वें सीजन के कारण काफी ज्यादा सुर्खियों में बना हुआ है। शो को लेकर दर्शक काफी ज्यादा एक्साइटिड है। टीवी की दुनिया की अगर बात की गाये तो रियलिटी शो बिग बॉस हमेशा से ही दर्शकों की वॉच लिस्ट में सबसे ऊपर रहा है लेकिन इस बात बिग बॉस 18 का बज काफी ज्यादा है। इसका कारण है इस बार आने वाले प्रतियोगी। बिग बॉस ओटीटी 3 के प्रतियोगियों ने जिस तरह से शो को सुर्खियां दिलाई थी इस कारण मेकर्स टीवी के रियलिटी शो बिग बॉस 18 को पॉपुलर बनाना चाहते हैं। ऐसे में टीवी के कई बड़े सितारों को भी शो के लि अप्रोच किया गया है।

बिग बॉस 18 का पहला टीज़र रिलीज

सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले बिग बॉस 18 का पहला टीज़र सोमवार रात को कलर्स टीवी द्वारा साझा किया गया, जिसमें दर्शकों को ड्रामा और खूब सारे ट्विस्ट की एक और रोमांचक सवारी का वादा किया गया। रियलिटी शो का प्रीमियर अक्टूबर में होने की उम्मीद है। टीज़र ने श्टाइम का तांडवश थीम का खुलासा किया और साथ ही बिग बॉस 18 की मेजबानी के लिए सलमान की वापसी की पुष्टि की। शो के लिए एक्साइटमेंट के बीच, प्रतियोगियों की एक अस्थायी सूची सोशल मीडिया पर ध्यान आकर्षित कर रही है।

बिग बॉस 18 में नजर आएंगी निया शर्मा?

प्रसिद्ध टीवी एक्ट्रेस निया शर्मा के शो में आने की खबरें हैं। फिलहाल टीज़र में कोई और जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन बताया जा रहा है कि निया शर्मा को इस सीज़न की पहली प्रतियोगी के रूप में पुष्टि की गई है। शो से जुड़े एक सूत्र ने हाल ही में बताया कि निया से पहले भी कई बार संपर्क किया गया था, लेकिन हाल ही में उन्होंने भाग लेने के लिए हामी भरी।

धीरज धूपर

लगभग 15 वर्षों तक टेलीविजन उद्योग में काम करने के बाद, धीरज धूपर शेरदिल शेरगिल, ससुराल सिमर का और कुंडली भाग्य में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। अभी, वह रब से है दुआ में एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई दे सकते हैं। वह झलक दिखला जा 10 में भी प्रतियोगी रहे थे।

शोहेब इब्राहिम

ससुराल सिमर का में अपने कार्यकाल के बाद, शोहेब इब्राहिम को व्यापक पहचान मिली। बाद में, वह अजूनी और इश्क में मरजावां में दिखाई दिए। इसके अलावा, शोएब ने झलक दिखला जा 11 और नच बलिए 8 जैसे रियलिटी शो में भाग लिया, जिसमें क्रमशः प्रथम रनर-अप और चौथे स्थान पर रहे।

घर पर बनाएं मार्केट जैसा स्प्रिंग रोल शीट, उंगलियां चाट जाएंगे लोग

शायद ही ऐसा कोई व्यक्ति होगा, जिसको स्नैक्स खाना पसंद न हो। खासतौर पर बात करें, तो हम सभी भारतीय सुबह और शाम दोनों समय अलग वैरायटी का नाश्ता करना बेहद पसंद होता है। वहीं सुबह के समय लोग ऐसी चीजें खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी और हेल्दी हो और इसको खाने से लंबे समय तक पेट भरा रहे। तो वहीं शाम के समय हर किसी का मन चटपटा खाना खाने को करता है ऐसे में हम अक्सर बाहर से स्नैक्स खरीदकर खाते हैं। हालांकि रोजाना बाहर का खाना खाकर तबियत खराब होने का डर लगा रहता है। जिस कारण से महिलाएं अपने परिवार वालों के लिए अधिकतर घर पर ही स्नैक्स बनाकर तैयार करती हैं। ऐसे में अगर आप भी घर पर कुछ स्वादिष्ट सा नाश्ता बनाने की सोच रही हैं, तो आप स्प्रिंग रोल बनाकर तैयार कर सकती हैं। वहीं अगर आप इसकी शीट घर पर बनाती हैं, तो इसका स्वाद दोगुना हो जाएगा। तो आइए जानते हैं स्प्रिंग रोल की शीट रेसिपी के बारे में...

सामग्री

मैदा– 1 कप

कॉर्न फ्लोर– 1/4 कप

रिफाइंड तेल– 2 बड़े चम्मच

नमक– चौथाई चम्मच

तेल– 1 बड़ा चम्मच

ऐसे बनाएं

अगर आप घर पर ही स्प्रिंग रोल की शीट घर पर बनाकर तैयार करना चाहती हैं, तो सबसे पहले एक कटोरी में मैदा, नमक और कॉर्नफ्लोर को अच्छे से मिक्स कर लें। अब इसमें थोड़ा सा रिफाइंड डालकर अच्छे से मिलाएं। फिर अपनी जरूरत के हिसाब से पानी डालकर मैदा को धीरे–धीरे गूंथ लें। इसके बाद इस मैदा से छोटी–छोटी लोई बनाकर उसे बेल लें। ध्यान रखें कि लोई को कागज जितना पतला बेलना है। आप चाहें तो एक साथ कई शीट बेल सकती हैं और फिर इन्हें हल्का सेंकना शुरूकर दें। हल्का सेकने के बाद इनको रख लें। अब आप इससे स्प्रिंग रोल बनाकर तैयार कर सकती हैं। यह स्प्रिंग रोल शीट बनाने का काफी आसान तरीका है।

हिंदू धर्म में पितृपक्ष की विशेष मान्यता, जानिए किस विधि से करें पितरों का तर्पण

हिंदू धर्म में पितृपक्ष की विशेष मान्यता होती है। माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान पितरों की पूजा–आराधना करने से हमारे पूर्वजों को मोक्ष प्राप्त होता है और पूर्वज हमें आशीर्वाद देते हैं। पितृपक्ष को श्राद्ध भी कहा जाता है। पितृपक्ष के दौरान पितरों का पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध किया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरु होकर सर्वपितृ अमावस्या तक पितृपक्ष होता है। इस बार 17 सितंबर 2024 से पितृपक्ष की पूर्णिमा तिथि की शुरूआत हो चुकी है। लेकिन श्राद्ध की प्रतिपदा तिथि को ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में 18 सितंबर 2024 से पितृ पक्ष की शुरूआत और पहला श्राद्ध माना जा रहा है। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि पहले श्राद्ध पर पितरों का तर्पण किस तरह करें और इस दौरान किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

पूजा विधि

आज यानी की 18 सितंबर को पहले श्राद्ध पर सुबह 11ः50 मिनट से लेकर दोपहर 12ः19 मिनट तक कुतुप मुहूर्त रहेगा। फिर दोपहर 12 बजे से लेकर 01ः28 मिनट तक रोहिणी मुहूर्त रहने वाला है। वहीं दोपहर के बाद यानी की 01ः28 मिनट से लेकर दोपहर 03ः55 मिनट तक अगला मुहूर्त रहेगा।

बता दें कि श्राद्ध के दिनों में रोजाना पितरों की तस्वीर के सामने नियमित रूप से जल अर्पित करना शुभ माना जाता है। तर्पण करने के लिए सूर्योदय से पहले पीपल के वृक्ष के नीचे जूड़ी लेकर स्थापित की जाती है। फिर एक लोटे में थोड़ा सा गंगाजल, दूध, सादा जल, जौ, बूरा और काले तिल डालकर कुशी की जूड़ी पर 108 बार चढ़ाया जाता है। जब भी आप चम्मच से जल चढ़ाएं तो उस दौरान मंत्रों का उच्चारण जरूर करें।

इन बातों का रखें खास ध्यान

मान्यता के अनुसार, श्राद्ध के दिनों में कुछ बातों का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है।

घर के सबसे बड़े यानी की वरिष्ठ सदस्य के द्वारा रोजाना तर्पण यानी पितरों को जल चढ़ाया जाना चाहिए।

यदि घर पर वरिष्ठ पुरुष न हो, तो पौत्र या नाती से भी पितरों का तर्पण कराया जा सकता है।

सुबह और शाम स्नान करके पितरों को याद किया जाता है।

पितरों का तर्पण करने के दौरान तीखी सुगंध वाले फूलों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बल्कि मध्यम सुगंध वाले फूलों का इस्तेमाल करना चाहिए।

इस दौरान श्रीमद्भगवतगीता का पाठ करना शुभ माना जाता है।

पितृ पक्ष के दौरान श्राद्ध कार्य किसी से कर्ज लेकर नहीं करना चाहिए।

किसी तरह के दबाव में आकर पितरों का तर्पण या श्राद्ध नहीं करना चाहिए।

डिजिटल युग में बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने का फायदे ही नहीं नुकसान भी है

सोशल मीडिया से 16 साल से कम उम्र के बच्चों को प्रतिबंधित करना एक आकर्षक विचार लगता है। डिजिटल युग में अपने बच्चों के जीवन को लेकर चिंतित माता–पिता को ऑस्ट्रेलियाई सरकार का यह कदम कुछ राहत ला सकता है, लेकिन साक्ष्यों से स्पष्ट है कि इसकी संभावना बहुत कम है कि प्रतिबंध युवा मानसिक स्वास्थ्य संकट पर सकारात्मक प्रभाव डालेंगे। दरअसल, प्रतिबंध हमारे बच्चों को ऑनलाइन जगत में और अधिक असुरक्षित बना सकते हैं। बच्चे और युवा मुख्य रूप से अपने साथियों के साथ मेलजोल बढ़ाने के लिए ऑनलाइन होते हैं।

बच्चो को भी समझने की जरूरत

ऑनलाइन जगत उन कुछ स्थानों में से एक है जहां अत्यधिक व्यस्त बच्चे एक–दूसरे के साथ स्वतंत्र रूप से बातचीत कर सकते हैं, जोकि उनकी भलाई के लिए महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया पर पाबंदी से यह रास्ता भी उनके लिए बंद हो जाएगा और यह बच्चों को निम्न गुणवत्ता वाले ऑनलाइन परिवेश में धकेलेगा। बच्चे पहले से कह रहे हैं कि व्यस्क यह नहीं समझते कि वे ऑनलाइन क्या करते हैं और इस संबंध में सहायता के लिए उनके पास पर्याप्त साधन नहीं हैं। पूर्ण पाबंदी इस बात की पुष्टि है कि माता–पिता को यह समझ में नहीं आता। बच्चे पाबंदी से निपटने का तरीका ढूंढ लेंगे। और यदि सोशल मीडिया पर उनकी बातचीत का अनुभव गलत रहता है तो यह तथ्य कि उन्हें वहां नहीं होना चाहिए था, उनके लिए व्यस्कों से मदद को हासिल करना और भी मुश्किल बना देगा।

प्रतिबंध के बजाय हमें क्या करना चाहिए?

हमारे बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। यहां कुछ सकारात्मक कदम हैं जिन्हें हम उठा सकते हैं, लेकिन उसके लिए सरकारों, उद्योग, सामुदायिक क्षेत्र, माता–पिता, देखभालकर्ताओं, शिक्षाविदों, अनुसंधानकर्ताओं, बच्चों और युवा लोगों के बीच अधिक सहयोग की जरूरत है। सभी बच्चे जोखिम उठाकर और गलतियां कर सीखते हैं। ऑनलाइन नुकसान को खत्म करने तथा बच्चों और उनके देखभाल करने वालों को डिजिटल दुनिया से आत्मविश्वास के साथ निपटने के लिए तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। सख्त नियमन समाधान का हिस्सा है। लेकिन इंटरनेट को बच्चों के लिए एक बेहतर जगह बनाना सबसे अच्छी सुरक्षा है जो हम प्रदान कर सकते हैं, न कि इसे (इंटरनेट को) प्रतिबंधित करना।

तो यह कैसे होगा?

एक तरीका 'सेफ्टी बाई डिजाइन सिद्धांतों' को लागू करना है। यहां हमें बच्चों से ही सबक लेना चाहिए। वे मंचों और सरकारों से कई कार्य करने का आग्रह कर रहे हैं– नाबालिगों को स्वतः तौर पर गोपनीयता प्रदान करें – सभी प्रकार के विभिन्न मंचों पर मानकीकृत, आसानी से पहुंच योग्य और अच्छी तरह से समझाई गई रिपोर्टिंग प्रक्रियाएं प्रदान करें– बच्चों से संपर्क का प्रयास करने वाले श्वुरे लोगोंश का पता लगाने के लिए एआई का उपयोग करें। बच्चे यह भी जानना चाहते हैं कि उनसे कौन सा डेटा एकत्र किया जाता है, इसका उपयोग कैसे किया जाता है, किसके द्वारा और किस उद्देश्य के लिए किया जाता है। वे 'सेफ्टी बाई डिजाइन' सुविधाओं की भी मांग कर रहे हैं जो उनके फीड से अश्लील, हिंसक और अन्य आयु–अनुचित सामग्री को हटा दें। न केवल सुरक्षित, बल्कि उपयुक्त भी'सेफ्टी बाई डिजाइनश संपूर्ण समाधान नहीं है। उद्योग कोड विकसित करने के प्रयासों के आधार पर, उद्योग और सरकार को मानकों की एक विस्तृत श्रृंखला विकसित करने के लिए एक साथ आना चाहिए जो न केवल सुरक्षित, बल्कि बच्चों के लिए उपयुक्त डिजिटल वातावरण प्रदान करता है।

ऑनलाइन सुरक्षा शिक्षा की मांग

उच्च–गुणवत्ता, बाल–केंद्रित साक्ष्य प्रमुख मंचों को उद्योग–व्यापी मानक विकसित करने में मदद कर सकते हैं जोकि परिभाषित करते हैं कि विभिन्न उम्र के बच्चों के लिए किस प्रकार की सामग्री उपयुक्त है। हमें बच्चों के लिए लक्षित शिक्षा की भी आवश्यकता है जो उनकी डिजिटल क्षमताओं का निर्माण करे तथा उन्हें ऑनलाइन जुड़ाव से निपटने और उसमें आगे बढ़ने के लिए तैयार करे। उदाहरण के लिए, अत्यधिक नुकसान पर ध्यान केंद्रित करने वाली शिक्षा के बजाय, बच्चे स्कूलों और अन्य जगहों पर ऑनलाइन सुरक्षा शिक्षा की मांग कर रहे हैं जो उन्हें ऑनलाइन होने वाले नुकसान के निम्न–स्तरीय, रोजमर्रा के जोखिमों का प्रबंधन करने में सहायता करे।

साक्ष्य पर ध्यान दें

कुछ आधिकारिक, साक्ष्य–आधारित मार्गदर्शन पहले से मौजूद हैं। यह हमें बताता है कि कैसे सुनिश्चित किया जाए कि बच्चे संभावित नुकसान को कम कर सकें और डिजिटल वातावरण के लाभों को अधिकतम कर सकें। जहां साक्ष्य अभी मौजूद नहीं है, वहां हमें बाल–केंद्रित अनुसंधान में निवेश करने की आवश्यकता है। यह बच्चों के डिजिटल जगत से जुड़े क्रियाकलाप का सूक्ष्म विवरण प्राप्त करने का सबसे अच्छा तरीका है, और यह नीति बनाने और अभ्यास के लिए एक सुसंगत और रणनीतिक रूप से दीर्घकालिक दृष्टिकोण की राह दिखा सकता है। कोविड महामारी से सबक लेते हुए, हमें निर्णय लेने की प्रक्रियाओं के साथ साक्ष्य को बेहतर ढंग से संरेखित करने की भी आवश्यकता है। इसका मतलब है उच्च–गुणवत्ता वाली मजबूत अनुसंधान प्रक्रियाओं को तेज करना या उभरती चुनौतियों के बारे में बेहतर अनुमान लगाने और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए अनुसंधान के तरीके खोजना है।

इन तरीकों से करें काजू और अंजीर का सेवन, सेहत को मिलेंगे गजब के फायदे

स्वस्थ रहने के लिए ड्राई फ्रूट्स का सेवन बेहद लाभकारी होता है, और काजू और अंजीर इस सूची में प्रमुख स्थान रखते हैं। ये दोनों ड्राई फ्रूट्स न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि अपने पोषक तत्वों से भरपूर भी होते हैं, जो आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। काजू और अंजीर को सही तरीके से खाने से आप उनके स्वास्थ्य लाभों को अधिकतम रूप से प्राप्त कर सकते हैं। इस वीडियो में, हम आपको काजू और अंजीर का सेवन करने के चार प्रभावी तरीकों के बारे में बताएंगे, जो आपके शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करने में सहायक होंगे।

भिगोकर काजू और अंजीर का सेवन

काजू और अंजीर का भिगोकर खाना एक बहुत ही सरल और प्रभावी तरीका है। इसके लिए 5–6 काजू और 1–2 अंजीर लें। इन्हें एक गिलास पानी में रातभर भिगोकर रखें। सुबह उठकर इन भिगोए हुए काजू और अंजीर का सेवन करें।भिगोकर खाने से, काजू और अंजीर के पोषक तत्व अधिक आसानी से अवशोषित होते हैं और यह शरीर के लिए अधिक लाभकारी हो जाता है। आप इन्हें सुबह खाली पेट भी खा सकते हैं।

काजू और अंजीर का शेक

काजू और अंजीर का शेक एक स्वादिष्ट और पौष्टिक विकल्प है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो वजन बढ़ाना चाहते हैं। इसे तैयार करने के लिए एक गिलास दूध लें। इसमें 5–6 काजू और 1–2 अंजीर डालें। अच्छे से ग्राइंड कर लें। आप चाहें तो इसमें बादाम, केला, और शहद भी मिला सकते हैं। काजू और अंजीर का शेक पीने से वजन बढ़ाने और मसल्स गेन में मदद मिल सकती है। इसे वर्कआउट के बाद या सुबह के समय सेवन करना अच्छा रहता है।

दूध में उबालकर काजू और अंजीर का सेवन

अगर आप दूध में काजू और अंजीर उबालकर खाना चाहते हैं, तो इसका तरीका है, एक पैन में दूध गर्म करें। इसमें काजू और अंजीर डालें। इसे अच्छी तरह उबालें और छान लें। इस दूध को रात को पीने से कब्ज और पाचन से संबंधित समस्याओं में राहत मिल सकती है। साथ ही, उबले हुए काजू और अंजीर को चबाकर भी खा सकते हैं।

काजू और अंजीर का हलवा

काजू और अंजीर का हलवा बनाना भी एक शानदार तरीका है, जो स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है। इसे तैयार करने के लिए काजू और अंजीर को ग्राइंड कर लें। एक पैन में घी गर्म करें और इसमें काजू–अंजीर का पेस्ट डालें। अच्छे से भूनें और फिर दूध डालकर पकाएं। आप इसमें बादाम और किशमिश भी मिला सकते हैं। काजू और अंजीर का हलवा मांसपेशियों के विकास और शरीर की कमजोरी को दूर करने में मदद करता है। काजू और अंजीर की तासीर गर्म होती है। इसलिए, इनका सेवन करते समय सावधानी बरतें। आप चाहें तो अंजीर का सेवन भिगोकर कर सकते हैं, जो पित्त को कम करने में सहायक हो सकता है। इन चार तरीकों से आप काजू और अंजीर का सेवन करके उनके पोषक तत्वों का पूरा लाभ उठा सकते हैं और अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

करवा चौथ पर पहनें गोटा पट्टी की साड़ी, लुक देखकर आपके पति करेंगे तारीफें

करवा चौथ का फेस्टिवल महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखा जाता है और इस दिन 16 श्रृंगार और ट्रेडिशनल परिधान पहने जाते हैं। करवा चौथ के दिन महिलाएं दुल्हन के जैसा दिखने के लिए सुंदर साड़ी और लहंगे पहनती है। इस बार आप गोटा पट्टी वर्क वाली साड़ियों के ये डिजाइंस जरुर ट्राई करें।

शादीशुदा महिलाओं के लिए करवा चौथ का फेस्टिवल काफी महत्वपूर्ण त्योहार माना जाता है। इस खास दिन पर महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और खुशहाली की कामना के लिए व्रत रखती हैं। महिलाएं करवा चौथ के दिन सोलह श्रृंगार करती हैं। इस फेस्टिवल के लिए महिलाएं 1 महीने पहले से तैयारी शुरु कर देती है। अगर आप भी कंफ्यूज है इस बार करवा चौथ पर क्या पहनें तो आप इन गोटा पट्टी वाली साड़ियों को जरुर पहनें। क्योंकि, ये साड़ियां काफी ट्रेंड में हैं और लुक को भी काफी स्टाइलिश बनाती है।

ऑरेंज गोटा पट्टी साड़ी

आजकल गोटा पट्टी की साड़ियां काफी ट्रेंडिंग में है। आपको सिल्क या शिफॉन में गोटा पट्टी की साड़ी मिल जाएदी। हल्के गोल्डन गोटा पट्टी का जाल पूरी साड़ी में बना हुआ है, जो साड़ी को बहुत हैवी लुक प्रदान करता है।

रॉयल ब्लू गोटा फट्टी साड़ी

अगर आप करवा चौथ पर रॉयल दिखना चाहते हैं तो आप गहरे रॉयल ब्लू रंग पर सिल्वर गोटा पट्टी की बारीक कढ़ाई की गई साड़िया पहन सकती है। ये साड़ियां दिखने में काफी क्लासी लगती है। इन साड़ी में छोटी–छोटी गोटे से बूटियां बनाई गई हैं वहीं साड़ी के बॉर्डर पर गोटे से कट वर्क देखने को मिल सकता है। इस साड़ी को कैरी करने के लिए आप सिल्वर ब्लाउस पहन सकती है, तो साड़ी का हटके लुक आएगा।

चुनरी प्रिंट गोटा पट्टी साड़ी

इस तरह की साड़ियां मार्केट में काफी देखने को मिल जाएगी। चुनरी प्रिंट की साड़ियां काफी ट्रेडिशनल और भव्य नजर आता है। इन साड़ियों पर ज्यादातर गोल्डन गोटे का प्रयोग किया जाता है। करवा चौथ पर इस तरह की साड़ी पहनकर आप एकदम अलग दिखेंगी।

संक्षिप्त

स्टार इंडिया ने प्रसारण लाइसेंस समझौते में मांगा 94 करोड़ डॉलर का हर्जाना : ज़ी एंटरटेनमेंट

नयी दिल्ली। ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने कहा कि स्टार इंडिया ने आईसीसी क्रिकेट मैचों के टेलीविजन प्रसारण अधिकार के उप–लाइसेंस संबंधी समझौते का पालन नहीं होने पर लंदन स्थित मध्यस्थता अदालत में 94 करोड़ डॉलर के हर्जाने की मांग रखी है। ज़ी एंटरटेनमेंट ने बुधवार को शेयर बाजार को यह सूचना दी। उसने स्टार इंडिया की तरफ से किए गए सभी दावों का स्पष्ट रूप से खंडन करते हुए कहा कि वह इन'निराधार दावों' का दृढ़ता से विरोध करेगी। स्टार ने 16 सितंबर, 2024 को लंदन अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत के समक्ष हर्जाने की मांग रखते हुए यह घोषित करने का अनुरोध भी किया है कि उसने ज़ी एंटरटेनमेंट के साथ गठजोड़ समझौते को खत्म कर दिया है। इसके अलावा स्टार ने मध्यस्थता अधिकरण के फैसले की तारीख के आधार पर हर्जाना तय किए जाने की भी मांग की है। स्टार ने 31 अगस्त, 2024 की तारीख के हिसाब से कुल 94 करोड़ डॉलर की हर्जाना राशि की गणना की है। हालांकि, ज़ी एंटरटेनमेंट ने अपने बयान में कहा कि वह स्टार के हर्जाना और अन्य सभी दावों का स्पष्ट रूप से खंडन करती है। ज़ी समूह की कंपनी के मुताबिक, लंदन मध्यस्थता केंद्र को अभी यह तय करना है कि समझौता रद्द होने में वह किसी भी तरह से उत्तरदायी है या नहीं। इस साल मार्च में स्टार इंडिया ने आईसीसी मैचों के टीवी प्रसारण अधिकारों के उप–लाइसेंस समझौते का पालन न करने पर ज़ी एंटरटेनमेंट के खिलाफ मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की थी। दोनों कंपनियों के बीच अगस्त, 2022 में हुए समझौते के मुताबिक, 2024 से 2027 तक आईसीसी के अंतरराष्ट्रीय मैचों के टीवी प्रसारण अधिकारों का उप–लाइसेंस दिया जाना था। लेकिन ज़ी एंटरटेनमेंट 20.35 करोड़ डॉलर की पहली किस्त के भुगतान से चूक गई थी। डिज्नी स्टार ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से भारतीय बाजार के लिए चार साल के लिए सभी आईसीसी मुकाबलों के प्रसारण अधिकार हासिल किए थे।

अमेजन ने समीर कुमार को भारत का 'कंट्री मैनेजर' किया नियुक्त

ई–कॉमर्स क्षेत्र की बड़ी कंपनी अमेजन ने समीर कुमार को भारत का 'कंट्री मैनेजर' नियुक्त करने की बुधवार को घोषणा की। भारत के मौजूदा 'कंट्री मैनेजर' मनीष तिवारी के इस्तीफे के बाद कंपनी ने यह फैसला लिया है। कंपनी की ओर से शीर्ष नेतृत्व में बदलाव की जानकारी देते हुए कहा गया,कुमार इस बदलाव पर मनीष तिवारी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। कुमार एक अक्टूबर से भारत की परिचालन संबंधी जिम्मेदारियां संभालेंगे।

कुमार 1999 में अमेजन में शामिल हुए थे। वह उस मूल दल का हिस्सा थे जिसने 2013 में अमेजन.इन की योजना बनाई और उसे पेश किया। उभरते बाजारों के लिए अमेजन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने एक आंतरिक ई–मेल में कहा, '' अमेजन के साथ काम करने का 25 साल का अनुभव रखने वाले समीर कुमार अब कंपनी के भारत उपभोक्ता व्यवसाय की देखरेख करेंगे, क्योंकि अमेजन इंडिया के वर्तमान 'कंट्री मैनेजर' मनीष तिवारी ने अमेजन के बाहर अवसर तलाशने का फैसला किया है।

विप्रो कर्मचारियों के लिए खुशखबरी, शानदार परफॉर्मेंस करने वाले कर्मचारियों कीं संतल बढ़ाएगी कंपनी

विप्रो कंपनी के कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। कंपनी सितंबर 2024 से अपने बेहतरीन परफॉर्मेंस करने वाले कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही है। कंपनी के कुछ खास कर्मचारी जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है, उनके वेतन में औसतन आठ प्रतिशत का इजाफा किया जाएगा। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कंपनी ने पिछले वर्ष भी उन कर्मचारियों का वेतन बढ़ाकर उपहार दिया था, जिन्होंने अच्छा काम किया था। बीते वर्ष वेतन लगभग छह प्रतिशत बढ़ाया गया था। इससे कंपनी के कर्मचारियों के वेतन में सुधार करने में मदद मिली है। उल्लेखनीय है कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र में इन दिनों वैश्विक स्तर पर मंदी देखी जा रही है। वहीं आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण ग्राहक आईटी खर्च में कटौती कर रहे हैं। हाल ही में, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने भी अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के लिए दोहरे अंकों में वेतन वृद्धि की घोषणा की, जबकि अन्य को 1 अप्रैल, 2024 से 4.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक की वेतन में बढ़ोतरी दी है। बता दें कि विप्रो के 200,000 ऑफशोर कर्मचारियों में से लगभग 75 प्रतिशत के वेतन में औसत वृद्धि 8 प्रतिशत के आसपास की गई है। ग्राहक स्थलों पर तैनात कर्मचारियों को 3 प्रतिशत की वृद्धि दी जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये संशोधित वेतन 1 सितंबर, 2024 से लागू होंगे। रिपोर्ट में कंपनी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी सौरभ गोविल द्वारा भेजे गए एक आंतरिक ईमेल का हवाला दिया गया है, जिसमें कार्यकारी ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि ये बढ़ोतरी सितंबर के बकाया के अलावा अक्टूबर से उनके वेतन में दिखाई देगी। उल्लेखनीय रूप से, विप्रो में नेतृत्व में बदलाव हुए हैं और श्रीनिवास पल्लिया अप्रैल 2024 में सीईओ का पद संभालेंगे। भारतीय आईटी उद्योग ने पिछले साल अपनी सबसे धीमी वृद्धि देखी, जो सिर्फ 3.8 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ा और इसका मूल्य 254 बिलियन डॉलर है।

गौतम गंभीर का बयान, कहा- 'हमारे बल्लेबाज किसी भी तरह के स्पिन आक्रमण का सामना करने में सक्षम'

गौतम गंभीर ने भारतीय बल्लेबाजों के अच्छे स्पिन आक्रमण के सामने हाल के संघर्ष को दरकिनार करते हुए मंगलवार को यहां कहा कि उनके बल्लेबाज दुनिया के किसी भी तरह के आक्रमण का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम हैं।

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भारतीय बल्लेबाजों के अच्छे स्पिन आक्रमण के सामने हाल के संघर्ष को दरकिनार करते हुए मंगलवार को यहां कहा कि उनके बल्लेबाज दुनिया के किसी भी तरह के आक्रमण का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम हैं। गंभीर ने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला की पूर्व संध्या पर संवाददाताओं से कहा कि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की गेंदबाजी चौकड़ी ने भारत की बल्लेबाजी को तवज्जो देने की प्रवृत्ति को बदल दिया। गंभीर से जब पूछा गया कि श्रीलंका के खिलाफ पिछले महीने सीमित ओवरों की सीरीज विशेषकर वनडे में भारतीय बल्लेबाज स्पिनरों के सामने जूझते हुए नजर आए तो उन्होंने कहा,''हमारी बल्लेबाजी इकाई में इतनी गुणवत्ता है कि वह किसी भी तरह के आक्रमण का सामना कर सकती है। टेस्ट और वनडे में काफी अंतर होता है।'' गंभीर ने अपने गेंदबाजों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा,'' भारत एक समय बल्लेबाजी को तवज्जो देता था लेकिन बुमराह, शमी, अश्विन और जडेजा ने इसे गेंदबाजों का खेल बना दिया।'' गंभीर ने कहा,''बुमराह अभी दुनिया का सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज है जो खेल के किसी भी चरण में अंतर पैदा कर सकता है।'' भारतीय कोच ने टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले ऋषभ पंत की भी प्रशंसा की। पंत दिसंबर 2022 में सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद पहली बार टेस्ट मैच खेलेंगे। गंभीर ने कहा,''पंत ने एक विस्फोटक बल्लेबाज के रूप में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन भारतीय परिस्थितियों में उनकी विकेटकीपिंग को कम करके आंका गया है। अश्विन और जडेजा के सामने उनकी विकेटकीपिंग शानदार रही है।'' भारत के इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने एक बार फिर उन चिंताओं को खारिज कर दिया कि ड्रेसिंग रूम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ सामंजस्य बिठाने में उन्हें दिक्कत होगी। उन्होंने कहा,''इसको लेकर काफी हो हल्ला मचाया गया है लेकिन इसमें कोई सच्चाई नहीं है।'' अटकलबाजी लगाई जा रही हैं कि गंभीर के मुखर व्यवहार के कारण उनके और सीनियर खिलाड़ियों के बीच तनाव पैदा हो सकता है।

विराट कोहली-गंभीर के बीच का मजेदार इंटरव्यू, एक-दूसरे की टांग खींचते दिखे दोनों दिग्गज

भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से खेला जाएगा। लेकिन उससे पहले भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और हेड कोच गौतम गंभीर एक अलग अवतार में नजर आए। दोनों ने जर्नलिस्ट बनकर एक दूसरे का मसालेवाला इंटरव्यू लिया। चेन्नई में भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से खेला जाएगा। लेकिन उससे पहले भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और हेड कोच गौतम गंभीर एक अलग अवतार में नजर आए। दोनों ने जर्नलिस्ट बनकर एक दूसरे का मसालेवाला इंटरव्यू लिया। इस दौरान दोनों ही खिलाड़ियों ने एक दूसरे की शानदार पारियों का भी जिक्र किया। वहीं विराट कोहली ने इस इंटरव्यू दौरान गंभीर ने कुछ ऐसा कुछ सवाल पूछ लिया, जिस पर गंभीर अपनी हंसी कंट्रोल नहीं कर पाए और ठहाके लगाकर हंसने लगे। इंटरव्यू की शुरुआत में कोहली ने कहा कि ये हम दोनों का मसालेदार इंटरव्यू है। बीसीसीआई ने ये स्पेशल इंटरव्यू का वीडियो अपने ऑफिशियल ग अकाउंट से शेयर किया है। इस दौरान ये दोनों दिग्गज ने बताया कि कैसे दोनों का माइंड क्रिकेट फील्ड पर काम करता है। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और विराट कोहली का ये संभवतरू पहला ऐसा वीडियो इंटरव्यू है। जहां वे एक–दूसरे से सवाल करते हुए दिखे। बता दें कि, आईपीएल 2023 और उससे पहले 2013 में दोनों के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली थी। लेकिन आईपीएल 2024 और टीम इंडिया के हेड कोच बनने के बाद कोहली और गंभीर के बीच बेहतरीन बॉन्डिंग देखने को मिल रही है। हेड कोच गंभीर ने इस दौरान विराट कोहली के इस ऑस्ट्रेलियाई दौरे का याद किया, जहां किंग कोहली ने रनों का अंबार लगा दिया था। 2014–15 के उस ऑस्ट्रेलिया दौरे में विराट कोहली ने 692 रन बनाए, इनमें चार शतक शामिल थे। वही गंभीर ने खुद को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई नेपियर में खेली गई पारी की भी चर्चा की। जहां वह लगातार दो दिनों तक डटे रहे थे, नतीजतन भारत ने उस मैच को ड्रॉ करवाने में अहम भूमिका निभाई थी। उस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 619 रन का विशाल स्कोर बनाया। जवाब में भारतीय टीम 305 रन बना सकी, इसके बाद न्यूजीलैंड ने फॉलोऑन दिया। गंभीर ने दूसरी पारी में 436 गेंदों पर 137 रन बनाए और दो दिनों की अवधि में 643 मिनट तक पारी खेली। बाद में वेलिंगटन में एक और ड्रॉ के बाद भारत ने सीरीज 1–0 से जीती थी। गंभीर ने कोहली संग बातचीत करते हुए कहा कि उनको नहीं लगता कि वह कभी फिर दोबारा ऐसा जिंदगी में कर पाएंगे।

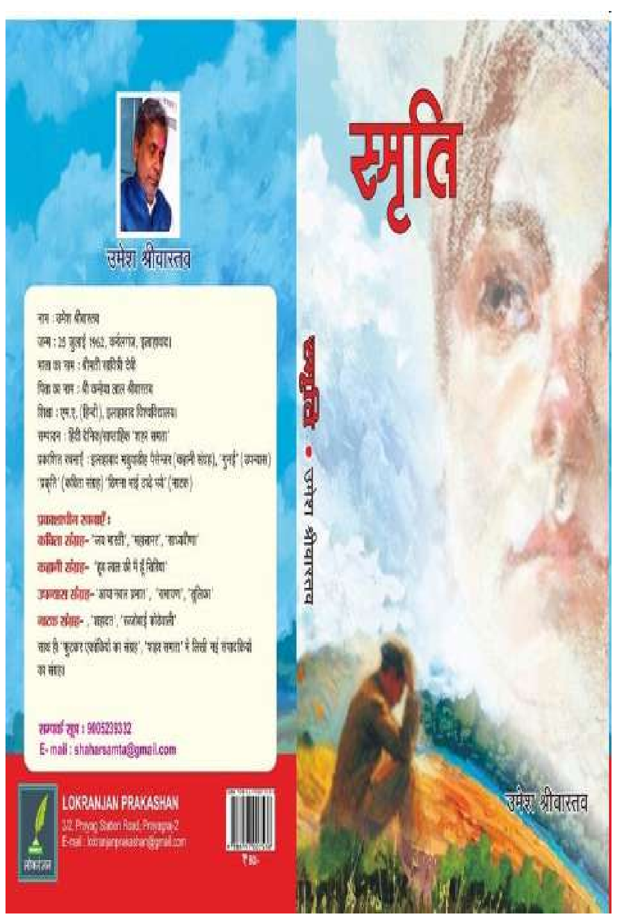

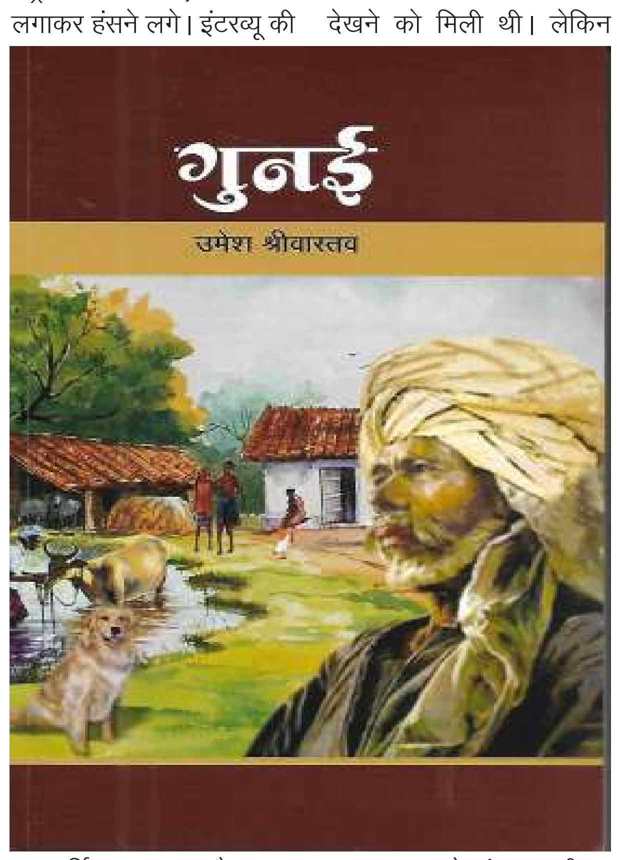

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

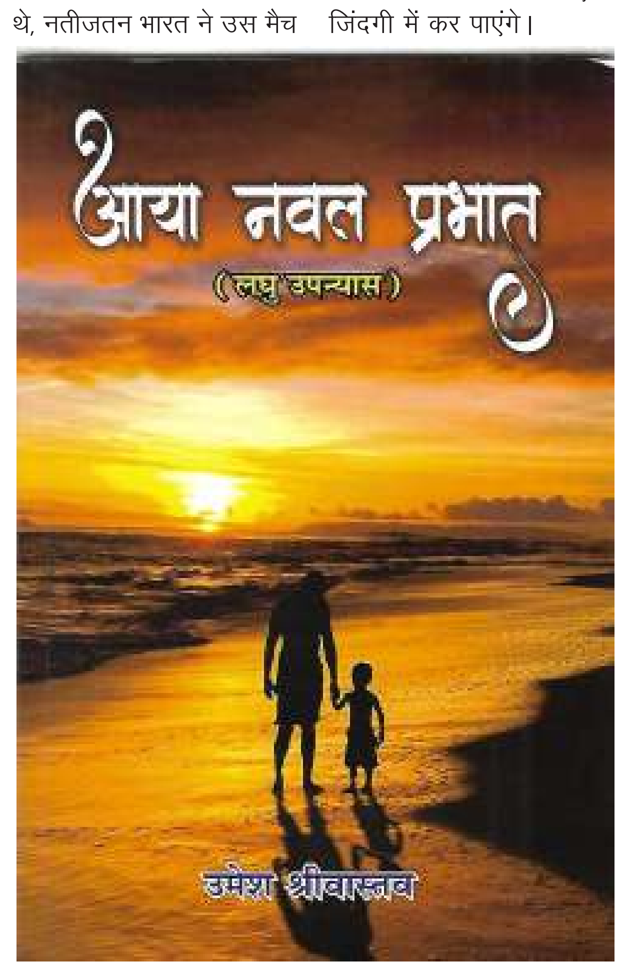

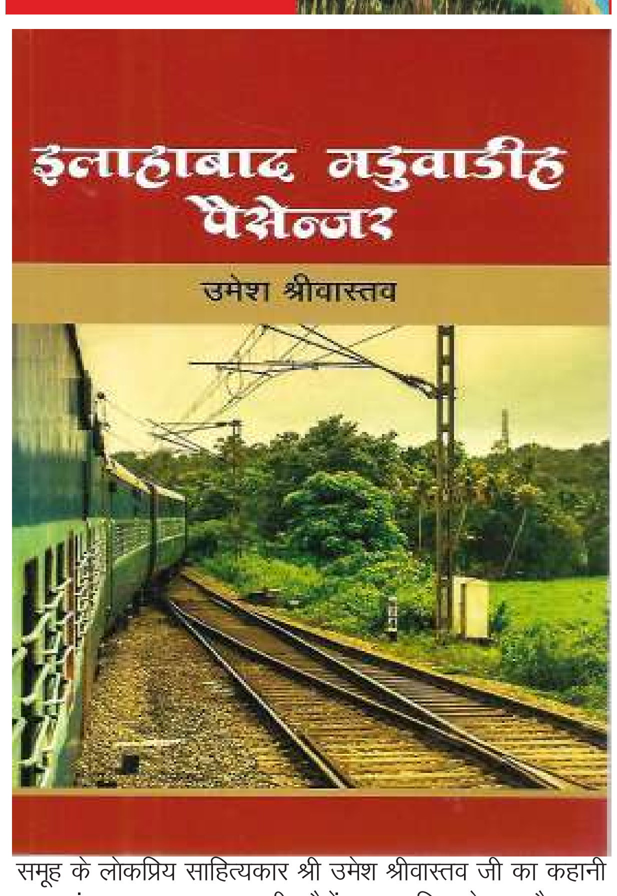

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

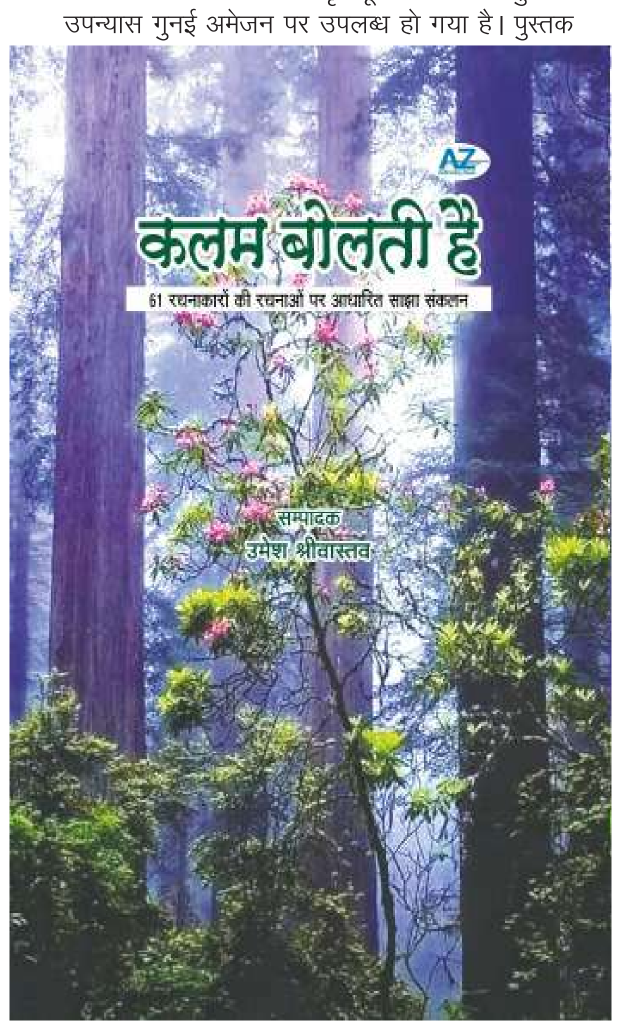

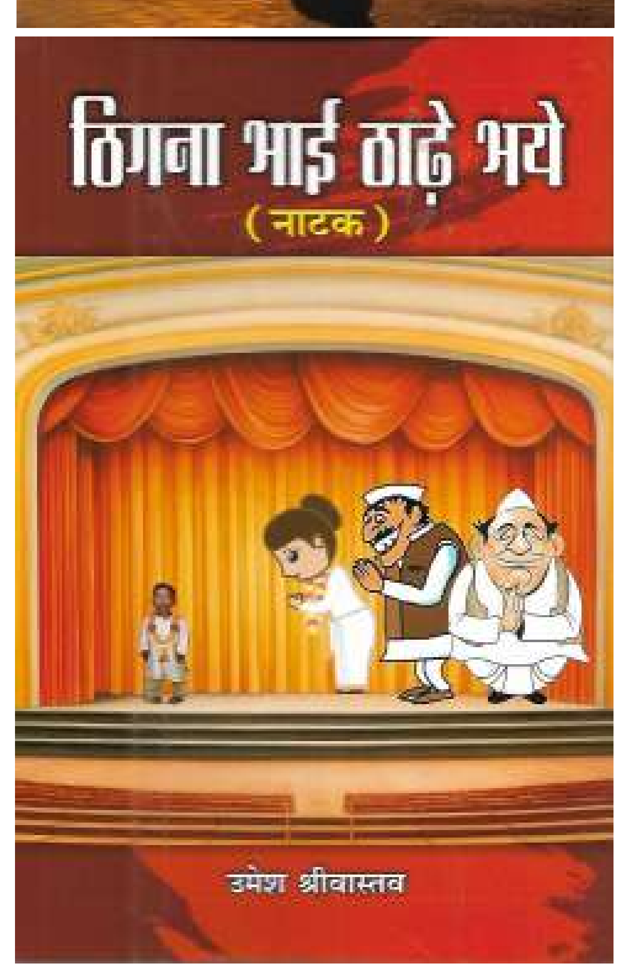

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

उत्तर–पूर्वह कांगो में सशस्त्र समूहों के हमले में 20 लोगों की मौत

उत्तर–पूर्वी कांगो में सशस्त्र समूहों द्वारा किये गये हमले में 20 लोग मारे गए। स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इन हमलों में आम नागरिकों को निशाना बनाया गया। पूर्वी कांगो में एक दशक से सरकारी सुरक्षा बलों और 120 से ज्यादा सशस्त्र समूहों के बीच लड़ाई जारी है। सशस्त्र समूहों द्वारा क्षेत्र के सोने और दूसरे संसाधनों पर कब्जा जमाने की लड़ाई में

अक्सर आम लोगों को निशाना बनाकर बम फेंके जाते हैं। स्थानीय प्रशासन के प्रमुख जीन–मैरी मकपेला ने बताया कि 'कोऑपरेटिव फॉर द डायवर्सन ऑफ कांगो' (कोडेको) के लड़ाकों ने जुगु इलाके के फातकी गांव में हमला कर कम से कम 20 लोगों की हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि हमलावरों को हुए हमले के दौरान घरों में आग लगा दी गई और सामान चोरी कर लिया।

उत्तर कोरिया ने दो बैलेस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया : जापान

जापान की सेना ने बुधवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने दो बैलेस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया ने यह परीक्षण अमेरिका और पड़ोसी देश के साथ बढ़ते तनाव के बीच किया है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने हालांकि यह जानकारी नहीं दी कि उत्तर कोरिया ने जिन मिसाइल का परीक्षण किया वे किस प्रकार की हैं और वे कितनी दूरी तय

कर पाईं। जापान के तट रक्षक बल ने कहा कि माना जा रहा है कि ये मिसाइल कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच के जलक्षेत्र में गिरी हैं। जापान के 'एनएचके' टेलीविजन ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि माना जा रहा है कि ये मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर गिरीं। विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर कोरिया नवंबर में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले परमाणु परीक्षण या लंबी दूरी की मिसाइल का परीक्षण कर सकता है, जिसका उद्देश्य नए अमेरिकी प्रशासन के साथ किसी भी तरह की बातचीत में अपनी स्थिति मजबूत करना है।

ब्रिटेन ने ई–वीजा के लिए शुरू किया खास अभियान, मेटा ने रूस के सरकारी मीडिया पर लगाया प्रतिबंध

ब्रिटेन ने बुधवार को बारतीय समेत सभी अप्रवासियों से आग्रह करते हुए एक बड़ा अभियान शुरू किया जो भौतिक आव्रजन दस्तावेजों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे ई–वीजा में परिवर्तन के लिए तत्काल कार्रवाई की जा सके। बायोमेट्रिक निवास कार्ड (बीआरसी) को अगले साल तक पूरी तरह से ऑनलाइन सिस्टम में बदल दिया जाएगा। अधिकांश बीआरपी इस साल के अंत में समाप्त होने वाली है। इन्हें यूके वीजा ऑनलाइन खाता बनाकर और लॉग इन करके एक्सेस करने के लिए चरणों में स्वचालित रूप से ऑनलाइन किया जा रहा है। फेसबुक के मालिक मेटा ने कहा कि वह अपने प्लेटफॉर्मों से आरटी, रोसिया सेगोडान्या और अन्य रूसी राज्य मीडिया नेटवर्क पर प्रतिबंध लगा रहा है। उसने यह कदम अमेरिकी प्रशासन द्वारा मीडिया आउटलेट पर अमेरिकी चुनावों और लोकतंत्रों को कमजोर करने के मकसद से गोपनीय प्रभाव गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप लगाने के कुछ दिन बाद उठाया। यह प्रतिबंध रूसी राज्य मीडिया के खिलाफ दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी की कार्रवाइयों में तेजी का प्रतीक है। मेटा ने घोषणा की है कि वह रूसी सरकार नियंत्रित आरटी को भी अवरुद्ध कर रहा है।

बांग्लादेश में सेना को मिलीं न्यायिक शक्तियां, कानून व्यवस्था सुधारने के लिए अंतरिम सरकार का फैसला

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने देश में कानून व्यवस्था में सुधार लाने के लिए सेना को दो महीनों के लिए न्यायिक शक्तियां दी है। लोक प्रशासन मंत्रालय ने सरकार के फैसले पर एक अधिसूचना जारी की। इसमें कहा गया कि यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा। शक्तियां सेना के कमीशन प्राप्त अधिकारी को दी गई है। यह अधिकारी अगले 60 दिनों लागू होगा। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 17, जो सेना के अधिकारियों को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट का दर्जा देती है, ने कहा कि ये अधिकारी जिला मजिस्ट्रेट डिप्टी कमिश्नरों के अधीनस्थ होंगे। कानून सलाहकार आसिफ नजरूल ने कहा, ष्हम कई स्थानों पर तबाह करने वाले कृत्य देख रहे हैं। हालात को देखते हुए सेना के जवानों को न्यायिक शक्तियां दे दी गई है।ष् उन्होंने आगे कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सेना के जवान इस अधिकार का दुरुपयोग नहीं करेंगे। एक अन्य सलाहकार ने कहा, षुलिस अभी तक ठीक से काम नहीं कर पाई है। शेख हसीना की सरकार के गिरने के बाद से कई पुलिसकर्मी सड़कों पर नदारद हैं।ष् हसीना सरकार के गिरने से पहले और तुरंत बाद पुलिस को लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा था। भीड़ ने उनके वाहनों और संपत्तियों में आग लगा दी थी। पुलिसकर्मियों पर हिंसा को देखते हुए बांग्लादेश पुलिस अधीनस्थ कर्मचारी संघ ने छह अगस्त को अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की थी। हालांकि, 20 अगस्त को गृह मंत्रालय के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम सखावत हुसैन के साथ बैठक के बाद हड़ताल वापस ले ली गई थी।

टूथपेस्ट में जहर, टेलीफोन में बम और अब पेजर ब्लास्ट, मोसाद के वार से हिली दुनिया

पेजर को वैसे तो पुराने ज़माने के संचार उपकरण माना जाता है। 2000 के सालों में ये मोबाइल आने के बाद अनउपयोगी हो गया था। सीएनएन की रिपोर्ट कहती है कि इस हमले के पीछे इजरायल है। इजरायल की खुफिया सेवा, मोसाद और इजरायली सेना ने मिलकर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया।

हिजबुल्लाह और इजरायल में लगातार तनातनी चल रही है। लेकिन लेबनान में हमलों में पेजर हिजबुल्लाह की मुश्किल बन गए। लेबनान में बड़ी तादाद में पेजर विस्फोट हुए हैं। हिजबुल्ला लड़ाकों द्वारा ले जाए जा रहे सैकड़ों पेजर एक साथ फट गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 30 मिनट के अंतराल में लेबनान में कई पेजर विस्फोटित हुए, जिसमें नौ लोग मारे गए और 3,000 से ज़्यादा लोग घायल हो गए। पेजर कम्यूनिकेशन का जरिया होता है। इस डिवाइस में मेसेज प्राप्त कर सकते हैं या भेजा सकते है। पेजर को वैसे तो पुराने ज़माने के संचार उपकरण माना जाता है। 2000 के सालों में ये मोबाइल आने के बाद अनउपयोगी हो गया था। सीएनएन की रिपोर्ट कहती है कि इस हमले के पीछे इजरायल है। इजरायल की खुफिया सेवा, मोसाद और इजरायली सेना ने मिलकर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया।

पहले गर्म हुए, फिर उनमें विस्फोट हो गया

हालांकि इजराइली सेना ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार

कर दिया। हिजबुल्ला के एक अधिकारी के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया कि समूह द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 'हैंडहेल्ड पेजर' के नये ब्रांड पहले गर्म हुए, फिर उनमें विस्फोट हो गया। अधिकारी ने बताया कि इसमें उसके कम से कम दो सदस्यों की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री फिरास अबियाद ने कहा कि कम से कम आठ लोग मारे गए और 2,750 घायल हुए हैं तथा घायलों में से 200 की हालत गंभीर है।

हिजबुल्ला लड़ाकों को फोन न रखने की चेतावनी

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने कहा कि देश के राजदूत मोजतबा अमानी पेजर में विस्फोट होने से मामूली रूप से घायल हो गए और उनका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया में बेरूत के दक्षिणी उपनगरों से प्रसारित तस्वीरों और वीडियो में लोगों को फुटपाथ पर लेटे हुए दिखाया गया है जिनके हाथों पर या पैंट की जेबों के पास घाव थे। हिजबुल्ला नेता हसन नसरल्लाह ने पहले समूह के सदस्यों को सेलफोन न रखने की चेतावनी देते हुए कहा था कि उनका इस्तेमाल इजराइल द्वारा उनकी गतिविधियों पर नजर रखने और लक्षित हमले करने के लिए किया जा सकता है।

जब फ़ोन जानलेवा उपकरण बन गए

2018 में प्रकाशित बुक राइज़् एंड किल फ़र्स्ट के अनुसार, इज़राइली खुफिया बलों का अपने दुश्मनों को निशाना बनाने के लिए सेल फ़ोन जैसे संचार उपकरणों का उपयोग करने का दशकों पुराना इतिहास रहा है। ऐसी ही एक घटना 1972 की है, जब माना जाता है कि इज़राइल ने म्यूनिख ग्रीष्मकालीन ओलंपिक नरसंहार के लिए फिलिस्तीन मुक्ति संगठन (पीएलओ) से बदला लिया था। मोसाद के जासूसों ने पीएलओ के पेरिस प्रमुख महमूद हमशारी के फ्लैट में प्रवेश किया और उनके फोन के बेस को विस्फोटकों के साथ बदल दिया। जैसे ही हमशारी ने फोन उठाया, उसे इजरायली टीम ने रिमोट से विस्फोट कर दिया। हमशारी को अपना एक पैर खोना पड़ा।

खामेनेई का भारत पर बयान पड़ गया बहुत भारी

दोस्त इजरायल ने पहले धमकाया, फिर धमाका ही कर दिया, ईरान के राजदूत की गई एक आंख

दुनिया में पहली बार ऐसा खतरनाक हमला हुआ है जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी नहीं होगा। एक साथ हजारों धमाके हुए, 3 हजार लोग घायल हो गए और 11 लोगों की मौत हो गई। हैरानी की बात देखिए जो मरे हैं या घायल हुए हैं वो सभी अपनी जेब में धमाके का सामान लेकर घूम रहे थे। किसी ने दूर बैठकर कंप्यूटर से कमांड दी और धड़ाधड़ विस्फोट शुरू हो गए। हजारों धमाकों में फटने वाले ये वही पेजर्स हैं जो 90 के दशक में भारत में भी काफी पॉपुलर थे। इनका इस्तेमाल मैसेज सेंड और रिसीव करने के लिए किया जाता था। लेकिन धीरे धीरे मोबाइल फोन ने इनकी जगह ले ली। अब इन्हीं पेजर्स ने हिजबुल्ला आतंकियों की धज्जियां उड़ा दी। इस बड़े हमले में ईरान का राजदूत भी घायल

हो गया। ईरानी राजदूत की एक आंख भी खराब हो गई। वैसे कई लोग ये सवाल पूछ रहे हैं कि ईरान के राजदूत को पेजर इस्तेमाल करने की क्या जरूरत पड़ गई। वो भी ऐसा पेजर जो हिजबुल्ला के आतंकियों ने खरीदा था। आरोप लगाया जा रहा है कि ये हमला इजरायल ने करवाया है। कई लोगों का तो ये भी कहना है कि जाने अनजाने में इजरायल ने भारत का बदला भी ले लिया। इस हमले से ठीक पहले ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई ने भारत पर बेवजह एक विवादित बयान दिया था। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनई ने कहा है कि भारत में मुसलमानों का उत्पीड़न हो रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर यह बात कही और दुनियाभर के मुसलमानों के बीच एकजुटता की जरूरत बताई। खामेनई ने लिखा है कि अगर हम म्यामार, गाजा, भारत या किसी अन्य स्थान पर किसी मुस्लिम को होने वाली पीड़ा से बेखबर है तो हमें खुद को मुसलमान नहीं मानना चाहिए। भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने तो ईरान के सुप्रीम लीडर को टैग करते हुए लिखा कि खामनेई तुम अपनी ही लोगों के हत्यारे हो, उनका दमन करने वाले हो। इजरायल, भारत समेत सभी लोकतांत्रिक देशों में मुस्लिम पूरी स्वतंत्रता के साथ रहते हैं। लेकिन ईरान में ही लोगों का दमन होता है। लेकिन ईरान के लोगों को जल्द ही आजादी मिलने वाली है। यानी ईरान को इजरायल ने सीधी सीधे चेतावनी दे डाली है और बता दिया है कि वहां कुछ बड़ा खेल होने वाला है।

लेबनान में इजरायल का सीरियल ब्लास्ट, मोसाद ने पेजर में फिट कर दिया बम

ईरानी राजदूत समेत 3000 चपेट में आए

चारो तरफ अफरा–तफरी का महौल नजर आया। खौफ में लोग इधर–उधर भागते नजर आए। किसी ने अस्पताल की तरफ रुख किया तो कोई खुद को बचाने के लिए सेफ जगह तलाशने लगा। लेबनान में सीरियल धमाकों का नया चौप्टर खुल गया। ऐसा धमाका जिसके बारे में हिजबुल्ला के लड़ाकों ने कभी सोचा भी नहीं होगा। दरअसल, इजरायल और हिजबुल्ला की जंग अब नया मोड़ ले चुकी है। इजरायल ने न तोप चलाए न मिसाइल लेकिन लेबनान में सीरियल धमाकों को अंजाम दे दिया। हिज्बुल्लाह के सैकड़ों सदस्यों के पेजर्स में अचानक धमाके हुए। इसमें लेबनान में तैनात ईरान के राजदूत समेत 3000 से ज्यादा लोग घायल हुए। हिज्बुल्ला ने कहा कि इन धमाकों में 8 मौतें हुई, जिनमें उसके लड़ाके और एक बच्ची भी है। पेजर कम्यूनिकेशन का जरिया होता है। इस डिवाइस में मेसेज प्राप्त कर सकते हैं या भेजा सकते है। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी ने कहा कि राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों समेत कई इलाकों में एक समय में ही ऐसे धमाकों की खबर है। सोशल मीडिया पर वायरल विडियो और तस्वीरों में घायलों को बैठे या लेटे अस्पताल ले जाते दिखाया गया है। अस्पतालों में इमरजेंसी भरी हुई हैं। अपुष्ट सीसीटीवी फुटेज में कई दुकानों में विस्फोट होते दिखे।

हिजबुल्लाह ने कहा कि यह सुरक्षा में सेंध का सबसे बड़ा मामला है। इसके पीछे इजराइल का हाथ बताया जा रहा। वरिष्ठ लेबनानी सुरक्षा सूत्रों के हवाले से कई रिपोर्टों में दावा किया गया है कि इजरायल की मोसाद जासूसी एजेंसी ने पांच महीने पहले लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह द्वारा मंगाए गए 5000 ताइवान निर्मित पेजरों के अंदर थोड़ी मात्रा में विस्फोटक रखा था। समाचार एजेंसी रॉयटर्स से बात करते हुए एक वरिष्ठ लेबनानी सुरक्षा सूत्र ने आरोप लगाया कि पेजर तब फटा जब उन्हें एक कोडित संदेश भेजा गया, जिससे विस्फोटक सक्रिय हो गए।

हिजबुल्लाह के खिलाफ पेजर अटैक की सच में अमेरिका को नहीं थी जानकारी, इजरायल ने यूं ही कर लिया दुनिया का सबसे खतरनाक अटैक?

लंबे समय से चले आ रहे इजरायल हिजबुल्ला संघर्ष ने सीरियल पेज ब्लास्ट के बाद एक नया रूप ले लिया है। इजरायल ने एक नए तरीके का उपयोग करते हुए हिजबुल्ला के करीब 3 हजार लड़ाकों को घायल कर दिया और करीब 11 की मौत हो गई। घायलों में लेबनान में ईरान के राजदूत भी शामिल हैं। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बयान देते हुए कहा कि इस हमले के बारे में न उन्हें कोई जानकारी थी और न ही अमेरिका इसमें शामिल था। हालांकि एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से दावा किया गया है कि ऑपरेशन समाप्त होने के कुछ घंटों बाद इज़राइल ने जो बाइडेन प्रशासन को लेबनान पेजर विस्फोटों के बारे में जानकारी दी थी। शुरुआत में अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि उसे हमले के बारे में कोई पूर्व सूचना नहीं थी, जबकि उसने इस घटना से अपना पल्ला झाड़ लिया। ईरान समर्थित आतंकवादी समूह ने घातक विस्फोटों के लिए इजरायल की जासूसी एजेंसी मोसाद को दोषी ठहराया है। बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली सरकार ने अब तक चुप्पी साध रखी है। हिजबुल्ला के एक अधिकारी के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया

कि समूह द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 'हैंडहेल्ड पेजर' के नये ब्रांड पहले गर्म हुए, फिर उनमें विस्फोट हो गया। अधिकारी ने बताया कि इसमें उसके कम से कम दो सदस्यों की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए। इजराइल के सबसे करीबी सहयोगी अमेरिका ने ईरान से तनाव न बढ़ाने का आग्रह किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अधिक सावधानी बरतते हुए कहा कि अमेरिका कूटनीतिक समाधान के लिए दबाव बनाना जारी रखेगा। हमारी समग्र नीति एक समान है, अर्थात हम इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष का कूटनीतिक समाधान देखना चाहते हैं।

पाकिस्तान में 50 किलोमीटर अंदर तक घुस आया तालिबान, मच गई भगदड़!

दुनिया के किसी भी मुल्क में चले जाइए। सबसे सस्ती और सबसे उपलब्ध चीजों में से एक चाय है। वैसे तो पाकिस्तान में एक चाय की कीमत 40 से 50 पाकिस्तानी रुपए है। लेकिन पाकिस्तान के पूर्व आईएसआई चीफ की एक कप चाय उसके मुल्क को बहुत महंगी पड़ रही है। अफगान सीमा पर मुनीर के सैनिक मारे जा रहे हैं। डुरंड लाइन पर रह रहे लोगों को अपना आशियाना छोड़ना पड़ रहा है। पहले से ड्रैगन के पास गिरवी रखी पाकिस्तान की जमीन पर अब तालिबान कब्जा कर रहा है। डेढ़ साल पहले तक पाकिस्तान के कर्ता–धर्ता यानी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व आईएसआई चीफ हामिद मीर दोनों ही इस वक्त जेल में हैं। पाकिस्तान अफगानिस्तान सीमा पर जो हालात हैं उसके लिए उनके मौजूदा स्टैबलिशमेंट इमरान और फैज हामिद को जिम्मेदार ठहरा रहे है। अफगान इलाके से पाकिस्तान की चेक पोस्टों पर बड़े हथियारों से लगातार फायरिंग की खबर आई है। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम इशाक डार ने पूर्व आईएसआई चीफ के एक कप चाय का जिक्र कर कहा कि सब ठीक हो जाएगा। मैं यहां सिर्फ एक कप चाय के लिए आया था। क्या था वो और उसके बाद क्या हुआ। मैंने ये बात ऊपर रखी। दरअसल, बीते कुछ दिनों से पाकिस्तान अफगानिस्तान सीमा पर जबरदस्त संघर्ष जारी है। युद्ध जैसे हालात हैं। अफगानिस्तान की तालिबान फोर्स लगातार फौज को निशाना बना रही है। काबुल और कंधार से बड़े बड़े टैंकों की मूव शुरू हो गई है। पाकिस्तानी कैंपों पर बड़े बड़े रॉकेट दागे जा रहे हैं। मशीनगन और राइफल से जोरदार गोलीबारी हो रही है। बीती रात भी पाकिस्तान और तालिबान लड़ाकों के बीच जमकर गोलीबारी हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हमले में आठ तालिबानी लड़ाके मारे गए। 16 घायल गए। मारे गए आठ तालिबानी लड़ाकों में दो कमांडर भी थे। पाकिस्तान सरकार ने खैबर–पख्तूनख्वा (केपी) क्षेत्र में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान बज रहे पाकिस्तानी राष्ट्रगान के दौरान अफगानिस्तान के तालिबान शासन के एक अधिकारी के बैठे रहने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने एक आधिकारिक बयान में इस कृत्य को शर्मनिंदनीय भी कहा। खैबर–पख्तूनख्वा सरकार ने ईद–ए–मिलाद के अवसर पर पैगंबर मोहम्मद के सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया था। इसमें पाकिस्तानी समाज के विभिन्न वर्गों के अधिकारियों और विद्वानों को आमंत्रित किया गया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

ताइवान में नहीं बुडापेस्ट में बने थे हिजबुल्ला पर हमले वाले पेजर, गोल्ड अपोलो कंपनी का बयान

लेबनान में सिलसिलेवार हुए पेजर धमाकों में अब एक नया बयान सामने आया है। यह बयान दिया है ताइवान की कंपनी गोल्ड अपोलो ने। बता दें कि इसी कंपनी के पेजर में मंगलवार को विस्फोट हुए, जिनमें नौ लोगों की मौत हो गई और करीब तीन हजार लोग घायल हैं। कंपनी ने कहा है कि जिन पेजर्स में धमाके हुए उनका निर्माण ताइवान में नहीं बल्कि बुडापेस्ट की एक कंपनी द्वारा किया गया। मंगलवार को लेबनान में पेजर्स में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों में नौ लोगों की मौत हुई है और करीब तीन हजार लोग घायल हुए हैं। इस हमले में हिजबुल्ला के लड़ाके निशाने पर थे। जिस कंपनी के पेजर्स में धमाके हुए अब उस ताइवानी कंपनी गोल्ड अपोलो का बयान सामने आया है। इस बयान में कंपनी ने बताया कि जिन पेजर्स में धमाके हुए उनका निर्माण बुडापेस्ट की एक कंपनी द्वारा किया गया था।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।